



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 217]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 30, 2001/वैशाख 10, 1923

No. 217]

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 30, 2001/VAISAKHA 10, 1923

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2001

सं. 20/2001-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा.का.नि. 309(अ).- केन्द्रीय सरकार, उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 96 बढ्ढा के अनुसरण मे केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टेरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की पहली अनुसूची के शीर्ष संख्याक 52 07, 52 089, 52 09, 54.06, 54.07, 55.11, 55.12, 55.13 या 55 14 के अतर्गत आने वाली प्रसस्कृत टैक्सटाइल फैब्रिको या शीर्ष संख 58 01, 58 02, 5806.10, 5806 40, 6001 12, 6001.22, 6001.92, 6002.20, 6002.30, 6002.43 या 6002.93 के अतर्गत आने वाली सूत या मानव निर्मित फाइबरो के प्रसस्कृत टैक्सटाइल फैब्रिको पर, (जिन्हे इसमे इसफे पश्चात् “ उक्त माल कहा गया है”) जिनका विनिर्माण या उत्पादन किसी स्वतंत्र टैक्सटाइल प्रसस्करणकर्ता द्वारा (जिसे इसमे के पश्चात् “ स्वतंत्र टैक्सटाइल प्रसस्करणकर्ता” कहा गया है) अनन्य रूप से तप्त वायु स्टेटर द्वारा किया जाता है, जिनका संस्थापन प्रसस्करण कारखाने मे किया गया है, इस बात के होते हुए भी कि ऐसा स्टेटर यचा चैम्बर उपयोग मे है अथवा नही या प्रचालन स्थिति मे है अथवा नही, निम्न प्रकार उत्पाद-शुल्क की दर नियचम करती है-

(क) ऐसे प्रसस्करण कारखाने की दशा मे, जिसकी प्रसस्कृत फैब्रिक का औसत मूल्य 30 रूपए, जिसमे उक्त भी सम्मिलित है, प्रतिवर्ग मीटर तक है प्रति चैम्बर प्रतिरस्तेट प्रतिमास 2.5 लाख रूपए ; और

(ख) ऐसे प्रसस्करण कारखाने की दशा मे, जिसकी प्रसस्कृत फैब्रिक का औसत मूल्य 30 रूपए प्रतिवर्ग मीटर से अधिक है, प्रति चैम्बर प्रतिस्टेटर प्रति मास 3 लाख रूपए ।

- 2 उत्पाद शुल्क की अदायगी के प्रयोजन के लिये, अधोलिखित अन्य प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए—
- (i) किसी स्वतंत्र वस्त्र प्रसस्करणकर्ता के विद्यमान प्रासेसिंग कारखाने के मामले में, ऐसे प्रासेसिंग कारखाने में, तारीख 1 मार्च, 2001 या 1 मई, 2001 को, लगे हॉट एयर स्टैंटर के चैम्बरो की संख्या, जो ज्यादा हो, हिसाब में लिया जायेगा ;
 - (ii) किसी नये प्रासेसिंग कारखाने, जो 1 मई, 2001 के बाद अस्तित्व में आया हो, उक्त नियमों के नियम 96 यदक के तहत दिये जाने वाले आवेदन की तारीख को ऐसे प्रासेसिंग कारखाने में लगे हॉट एयर स्टैंटर के चैम्बरो की संख्या, हिसाब में लिया जायेगा ।

3 स्वतंत्र टैक्सटाइल प्रसस्करणकर्ता के कारखाने के लिए उक्त माल का (प्रतिवर्ग मीटर) औसत मूल्य, ठीक पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में उक्त कारखाने में निकासी किए गए उक्त मालों के कुल मूल्य से उक्त पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान निकासी किए गए उक्त मालों की कुल मात्रा से विभाजन कर निकाला जाएगा:

परन्तु यह कि जहां उक्त मालों का विनिर्माण या उत्पादन ऐसे कारखाने के किसी नए एकक या किसी बंद एकक द्वारा किया जाता है जिसके लिए ऊपर यथाविनिर्दिष्ट औसत मूल्य की सगणना नहीं की जा सकती है वहां ऐसे मालों के औसत मूल्य की घोषणा स्वतंत्र टैक्सटाइल प्रसस्करणकर्ता द्वारा नियम 96 यदक के अधीन आवेदन करते समय की जाएगी, यथापि, उक्त मालों पर सदय शुल्क की रकम की, वित्तीय वर्ष के अंत में उक्त वित्तीय वर्ष में विनिर्मित या उत्पादित उक्त मालों के वास्तविक औसत मूल्य के आधार पर पुनः गणना की जाएगी ।

4 उक्त मालों पर उदग्रहीत और सग्रहीत शुल्क केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) और अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) के अधीन उदग्रणीय शुल्क का योग होगा और दोनों पूर्वोक्त अधिनियमों के अधीन उदग्रणीय शुल्क का वी 1.1 का अनुपात में प्रभाजन किया जाएगा ।

5 यदि स्वतंत्र टैक्सटाइल प्रसस्करणकर्ता सस्थापित मशीनरी या उसके किसी भाग में कोई परिवर्तन या नया ऐसा प्रस्ताव करता है जिसका आशय उसके कारखाने में सस्थापित तत्प वायु स्टैंटर में चैम्बरो की संख्या में परिवर्तन करना हो तो वह प्रस्तावित परिवर्तन के बारे में ऐसे प्रस्तावित परिवर्तन के एक मास अग्रिम रूप में, यथास्थिति, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क उपायुक्त या सहायक आयुक्त को एक प्रति के साथ लिखित में केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क आयुक्त को सूचना देगा और अगर ऐसा परिवर्तन करने से पहले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त का लिखित अनुमोदन प्राप्त करना आवश्यक है तो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त वह तारीख अवधारित करेगा, जिससे चैम्बरो की संख्या में परिवर्तन प्रभावी समझा जाएगा ।

परन्तु यह यदि कि नया प्रासेसिंग कारखाना में लगे हुए हॉट एयर स्टैंटर के चैम्बरो की संख्या या तत्प वायु स्टैंटर की संख्या में कोई कमी किसी वित्तीय वर्ष में, कारखाने में लगे हुए सयंत्र या उसके भाग में परिवर्तन के द्वारा, की जाती है तब ऐसी कमी का कोई हिसाब, इस अधिसूचना के तहत उक्त वित्तीय वर्ष के लिए देय शुल्क के सगणना में नहीं लिया जायेगा एवं उक्त वित्तीय वर्ष में उत्पाद शुल्क की अदायगी ऐसे की जायेगी यथा हॉट एयर स्टैंटर या चैम्बर्स की संख्या में कोई परिवर्तन न हो ।

6. इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए,-

(क) स्वतंत्र टैक्सटाइल प्रसंस्करणकर्ता के कारखाने में संस्थापित ऐसा चैम्बर (तप्त-वायु स्टेंटर का) जिसके रेल की लम्बाई हर तरफ 3.05 मीटर तक है, एक चैम्बर के रूप में माना जाएगा और ऐसे किसी चैम्बर की ऐसी रेल लम्बाई से अधिक किसी भाग की यथानुपात आधार पर सगणना की जाएगी ;

(ख) फैब्रिको के तप्त सेटिंग या शुष्कन की प्रक्रिया की सहायता के लिए किसी स्टेंटर में संस्थापित या उससे अनुलग्न 3.05 मीटर लम्बाई की कोई फ्लोट शुष्कन मशीन या कोई अन्य उपस्कर, गैलरीज के सिवाय, किसी स्टेंटर का एक चैम्बर माना जाएगा और ऐसी लम्बाई के किसी भाग की यथानुपात आधार पर सगणना की जाएगी ।

7. यह अधिसूचना 1 मई, 2001 को प्रवृत्त होगी ।

[फा. सं. बी-4/6/2001-टी. आर. यू.]

जी. डी. लोहानी, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th April, 2001

No. 20/2001-CENTRAL EXCISE

G.S.R. 309(E).— In pursuance of rule 96ZNC of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government, hereby fixes the rate of excise duty on processed textile fabrics falling under heading Nos. 52.07, 52.08, 52.09, 54.06, 54.07, 55.11, 55.12, 55.13 or 55.14, or processed textile fabrics of cotton or man-made fibres, falling under heading Nos. or sub-heading Nos. 58.01, 58.02, 5806.10, 5806.40, 6001.12, 6001.22, 6001.92, 6002.20, 6002.30, 6002.43, or 6002.93 (hereinafter referred to as the “said goods”), of the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), manufactured or produced by an independent textile processor exclusively with the aid of a hot-air stenter (hereinafter referred to as “independent textile processor”) as-

(a) in the case of a processing factory whose average value of processed fabric is upto and including Rs. 30 per sq. mtr., Rs. 2.5 lakhs per chamber per stentor per month; and

(b) in the case of a processing factory whose average value of processed fabric exceeds Rs. 30 per sq. mtr., Rs. 3 lakhs per chamber per stentor per month,

installed in the processing factory, irrespective of whether such stentor or chamber is in use or not, or is in working condition or not.

2. For the purpose of payment of duty of excise,-

(i) in the case of an existing processing factory of an independent textile processor, the number of chambers of the hot air stentor installed in such processing factory as on

- (ii) 1st March, 2001 or 1st May, 2001, whichever is higher, shall be taken into account; in the case of new processing factory coming into existence after 1st May, 2001, the number of chambers of the hot air stentor installed in such processing factory as on the date of making the application under rule 96ZNA of the said rules shall be taken into account,
subject to the other provisions contained hereinafter.

3. The average value of the said goods (per square meter) for the factory of the independent textile processor shall be arrived at by dividing the total value of the said goods cleared from the said factory in the immediately preceding financial year by the total quantity of the said goods cleared during that preceding financial year.

Provided that where the said goods are manufactured or produced by a new unit or a closed unit of such factory for which the average value as specified above cannot be calculated, the average value of such goods shall be declared by the independent textile processor at the time of making the application under rule 96ZNA; however, the amount of duty payable on the said goods shall be re-worked at the end of the financial year on the basis of actual average value of the said goods manufactured or produced in that financial year.

4. The duty levied and collected on the said goods shall be the aggregate of the duty leviable under the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) and the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) and shall be apportioned in the ratio of 1:1 between the duty leviable under both the aforesaid Acts.

5. In case the independent textile processor proposes to make any change in the installed machinery or any part thereof which tends to change the number of chambers in the hot-air stenters installed in his factory, he shall intimate, about the proposed change, to the Commissioner of Central Excise in writing, with a copy to the Deputy Commissioner of Central Excise or the Assistant Commissioner of Central Excise, as the case may be, one month in advance of such proposed change, and shall obtain the written approval of the Commissioner of Central Excise before making such change, whereafter the Commissioner of Central Excise shall determine the date from which the change in the number of chambers shall be deemed to be effective:

Provided that where any change in the installed machinery or any part thereof during a financial year results in the reduction in the number of chambers in a hot-air stentor or in the number of hot-air stentors, installed in the processing factory, no account of such reduction shall be taken into account for computing the duty payable under this notification during that financial year and the duty of excise shall be payable during that financial year as if no such reduction in the number of chambers or hot air stentors had taken place.

6. For the purposes of this notification,-

(a) a chamber (of a hot-air stenter), having a rail length of upto 3.05 meter on each side, installed in the factory of the independent textile processor shall be construed as one chamber and any fraction exceeding such rail length of any such chamber shall be computed on a *pro rata* basis;

(b) a float drying machine or any other equipment, except the galleries, of a length 3.05 meters installed in or attached to a stenter for aiding the process of heat-setting or drying of the fabrics shall be deemed to be one chamber of a stenter and any fraction of such length shall be computed on a *pro rata* basis.

7. This notification shall come into force on the 1st day of May, 2001.

[F. No B-4/6/2001-TRU]

G D LOHANI, Under Secy

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2001

सं. 21/2001-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा.का.नि. 310(अ).— केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियाँ का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है इससे अनुबद्ध सारणी के स्तंभ (3) में विनिर्दिष्ट विवरण वाले एवं उक्त सारणी के स्तंभ (2) में सुसंगत प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट, केन्द्रीय उत्पाद टेरिफ अधिनियम 1985 (1986 का 5) की प्रथम अनुसूची के अध्याय या शीर्ष सं० के अन्तर्गत आने वाले उत्पाद माला का उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट संपूर्ण उत्पाद शुल्क से विमुक्त करती है।

क्रम सं०	अध्याय या शीर्ष सं०	मालों का विवरण
(1)	(2)	(3)
1	62	बरसाती कोट
2	62	ब्रेसियर्स, पेटीज, ब्रीफ्स, गर्डल्स, कार्सैट्स, स्लिप्स, वेस्ट्स, सिगलेट्स, पेटीकोट, ब्रेसिस, ससपेन्डर्स, गार्टनर्स और इसी प्रकार की वस्तुओं सहित अन्दर पहनने वाले वस्त्र
3	62 02	रूमाल, शाल, स्कार्फ, मफलर, मतीलास, बुकी, टाइया, बो टाइया, क्रेवेस, दर्ताने, मिटनस और मिटस सहित सहायक वस्त्र जो बुने न हो अथवा कोसिया न किए गए हो

2 यह अधिसूचना 1 मई, 2001 को प्रवृत्त होगी।

[फा. सं. बी-4/5/2001-टी. आर. यू.]

जी. डी. लोहानी, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th April, 2001

No. 21/2001-CENTRAL EXCISE

G.S.R. 310(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts excisable goods of the description specified in column

(3) of the Table annexed hereto and falling within the Chapter or heading No. of the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table, from the whole of the duty of excise leviable thereon which is specified in the said Schedule.

Table

S.No.	Chapter or heading No.	Description of goods
(1)	(2)	(3)
1.	62	Raincoats
2.	62	Undergarments including brassieres, panties, briefs, girdles, corsets, slips, vests, singlets, petticoats, braces, suspenders, garters and similar articles
3.	62.02	Clothing accessories, not knitted or crocheted, including handkerchiefs, shawls, scarves, mufflers, mantillas, veils, ties, bow ties, cravats, gloves, mittens and mitts

2. This notification shall come into force on the 1st day of May, 2001.

[F No B-4/5/2001-TRU]

G D. LOHANI, Under Secy

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2001

सं. 22/2001-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा.का.नि. 311(अ).— केन्द्रीय सरकार केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह समाधान हो जान पर कि लाकहित में एसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मन्त्रालय (राजस्व विभाग) की भारत के राजपत्र में सा.का.नि. 137 1अ। तारीख 1 मार्च 2001 के तहत प्रकाशित अधिसूचना सं 12/2001-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 1 मार्च 2001 का उन बातों के सिवाय विखंडित करती है जो एस विखंडन से पूर्व की गई थी या किये जान से उनका लाभ किया गया था ।

2 यह अधिसूचना 1 मई, 2001 से प्रवृत्त होगी ।

[फा. सं. बी-4/5/2001-टी. आर. यू.]

जी. डी. लोहानी, अपर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th April, 2001

No. 22/2001-CENTRAL EXCISE

G.S.R. 311(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby rescinds notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 12/2001-Central Excise, dated the 1st March, 2001, published in the Gazette of India, vide number G.S.R. 137 (E), dated the 1st March, 2001, except as respects things done or omitted to be done before such rescission.

2. This notification shall come into force on the 1st day of May, 2001.

[F No B-4/5/2001-TRU]

G D LOHANI, Under Secy

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2001

सं. 23/2001-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा.का.नि. 312(अ).— केन्द्रीय सरकार केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5A के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियाँ का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाना कि निम्नलिखित में ऐसा करना आवश्यक है यह निदेश देती है कि इसके साथ उपाबद्ध सारणी के पद (2) में निर्दिष्ट भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचनाओं में प्रत्येक का उक्त सारणी के पद (3) में वर्तमान प्रावित में निर्दिष्ट रीति से आर सशोधन किया जाएगा।

सारणी

क्रम सं०	अधिसूचना सं० और तारीख	सशोधन
(1)	(2)	(3)
1	8/2001-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क 1 मार्च 2001	उक्त अधिसूचना में - (क) पद 3 में निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जाएगा अर्थात् - “ परन्तु वितीय वर्ष 2001-2002 के लिए उक्त सारणी की क्रम सं० 1 के अधीन शुल्क ‘कुछ नहीं’ निकासियों के सकल मूल्य की गणना करते समय, 1 अप्रैल 2001 और 30 अप्रैल 2001 के बीच (जिसमें दाना तारीख सम्मिलित है) उक्त पहली अनुसूची के अध्याय 62 के अधीन आने वाले माल की धरतृ खपत के लिए निकासियों भले ही वे शुल्क के सदाय पर या अन्यथा की गई हो, का गणना में लिया जाएगा। ”. (ख) स्पष्टीकरण में खंड (ज) के पश्चात निम्नलिखित खंड अतः स्थापित किए जायेंगे अर्थात् - “(झ) 1 मई 2001 से पूर्व की गई निकासियों पर रादत शुल्क का इस आधार पर प्रतिदाय कि ऐसी निकासियाँ उक्त

47	(2)	(3)
		<p>सारणीकी क्रम स0 1 के अधीन निकासियों के सकल मूल्य में सम्मिलित है, अनुज्ञेय नहीं होगा ;</p> <p>(ड) उक्त प्रथम अनुसूची के अध्याय 62 के अतर्गत आने वाले माल के प्रयोजन के लिए, “ विनिर्माता ” शब्द में ऐसा व्यक्ति जिस पर नियम 7कक के तहत उत्पाद शुल्क अदायगी का दायित्व हो, सम्मिलित है । ”</p> <p>(ग) उपावध की मद (XX) का लोप किया जाएगा ।</p>
2	9/2001-केंद्रीय उत्पाद शुल्क, 1 मार्च, 2001	<p>उक्त अधिसूचना में,-</p> <p>(क) पैरा 3 में, निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जाएगा, अर्थात्:-</p> <p>“ परन्तु वित्तीय वर्ष ” 2001-2002 के लिए उक्त सारणी की क्रम स0 1 के अधीन शुल्क ‘ सामान्य दर के साठ प्रतिशत की रियायती ’ दर पर निकासियों के सकल मूल्य की सगणना करते समय, 1 अप्रैल 2001 और 30 अप्रैल, 2001 के बीच (जिसमें दोनों तारीखें सम्मिलित हैं) उक्त पहली अनुसूची के अध्याय 62 के अधीन आने वाले माल की घरेलू खपत के लिए निकासियों, भले ही ये शुल्क के सदाय पर या अन्यथा की गई हो, को गणना में लिया जाएगा । ”;</p> <p>(ख) स्पष्टीकरण में, खड (ज) के पश्चात् निम्नलिखित खड अतः स्थापित किए जायेंगे, अर्थात् :-</p> <p>“(झ) 1 मई, 2001 से पूर्व की गई निकासियों पर सदाय शुल्क और सामान्य शुल्क के साठ प्रतिशत की रियायती दर के बीच अंतर का इस आधार पर प्रतिदाय कि ऐसी निकासियां उक्त सारणी की क्रम स0 1 के अधीन निकासियों के सकल मूल्य में सम्मिलित हैं, अनुज्ञेय नहीं होगा ;</p> <p>(ड) उक्त प्रथम अनुसूची के अध्याय 62 के अतर्गत आने वाले माल के प्रयोजन के लिए, “ विनिर्माता ” शब्द में ऐसा व्यक्ति जिस पर नियम 7कक के तहत उत्पाद शुल्क अदायगी का दायित्व हो, सम्मिलित है । ”</p> <p>(ग) उपावध की मद (XX) का लोप किया जाएगा ।</p>

2 यह अधिसूचना 1 मई 2001 को प्रवृत्त होगी ।

[फा. सं. बी-4/5/2001-टी. आर. यू.]

जी. डी. लोहानी, अवर सचिव

टिप्पण :

- 1 अधिसूचना स0 8/2001-केंद्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 मार्च, 2001 भारत के राजपत्र, असाधारण में सा का नि 133 (अ) तारीख 1 मार्च, 2001 के तहत प्रकाशित की गई थी ।
- 2 अधिसूचना स0 9/2001-केंद्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 मार्च, 2001 भारत के राजपत्र, असाधारण में सा का नि 134 (अ) तारीख 1 मार्च, 2001 के तहत प्रकाशित की गई थी ।

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th April, 2001

No. 23/2001-CENTRAL EXCISE

G.S.R. 312(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise Act, 1944(1 of 1944) , the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby directs that each of the notifications of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue) specified in column (2) of the Table hereto annexed , shall be amended, in the manner specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

TABLE

S.No	Notification No. and date	Amendment
(1)	(2)	(3)
1.	8/2001-Central Excise, dated the 1st March, 2001	<p>In the said notification,-</p> <p>(a) to paragraph 3, the following proviso shall be added, namely:-</p> <p>“Provided that the clearances for home consumption of goods, whether on payment of duty or otherwise, falling under Chapter 62 of the said First Schedule, between 1st April, 2001 and 30th April, 2001 (both days inclusive) shall be taken into account while computing the aggregate value of clearances at nil rate of duty under SI No 1 of the said Table for the financial year 2001-2002.”;</p> <p>(b) in the <i>Explanation</i>, after clause (H), the following clauses shall be inserted, namely:-</p> <p>‘ (I) refund of duty paid on clearances made before the 1st day of May, 2001 on the ground that such clearances are included in the aggregate value of clearances under SI No 1 of the said Table, shall not be admissible;</p> <p>(J) for the purpose of goods falling under Chapter 62 of the said First Schedule, the expression “manufacturer” shall include a person who is liable to pay the duty of excise leviable on such goods under rule 7AA of the said rules.’</p> <p>(c) in the ANNEXURE, item (xx) shall be omitted.</p>

(1)	(2)	(3)
2.	9/2001-Central Excise, dated the 1st March, 2001	<p>In the said notification,-</p> <p>(a) to paragraph 3, the following proviso shall be added, namely:-</p> <p>“Provided that the clearances for home consumption of goods, whether on payment of duty or otherwise, falling under Chapter 62 of the said First Schedule, between 1st April, 2001 and 30th April, 2001 (both days inclusive) shall be taken into account while computing the aggregate value of clearances at the concessional rate of sixty per cent. of normal rate of duty under SI No 1 of the said Table for the financial year 2001-2002.”;</p> <p>(b) in the <i>Explanation</i>, after clause (H), the following clauses shall be inserted, namely:-</p> <p>(I) refund of the difference of duty paid on clearances made before the 1st day of May, 2001 and the concessional rate of sixty per cent. of normal rate of duty, on the ground that such clearances are included in the aggregate value of clearances under SI No 1 of the said Table, shall not be admissible;</p> <p>(J) for the purpose of goods falling under Chapter 62 of the said First Schedule, the expression “manufacturer” shall include a person who is liable to pay the duty of excise leviable on such goods under rule 7AA of the said rules.’</p> <p>(c) in the ANNEXURE, item (xx) shall be omitted.</p>

2. This notification shall come into force on the 1st day of May, 2001.

[F. No. B-4/5/2001-TRU]

G. D. LOHANI, Under Secy.

Note :

1) Notification No. 8/2001-Central Excise dated the 1st March, 2001 was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide, G.S.R. 133 (E) dated the 1st March, 2001

2) Notification No. 9/2001-Central Excise dated the 1st March, 2001 was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide, G.S.R. 134 (E) dated the 1st March, 2001

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2001

सं. 24/2001-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा.का.नि. 313(अ).—केन्द्रीय सरकार केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम 1944 [1944 का 1] की धारा 5क 11 उपधारा 11 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करत हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है नीचे सारणी के जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त सारणी कहा गया है। स्तम्भ 12 में विनिर्दिष्ट केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम 1985 [1986 का 5] की पहली अनुसूची के अध्याय 84 के अन्तर्गत आने वाले बॉल तथा रालर बयरिंग जिसे इसमें इसके पश्चात् "विनिर्दिष्ट माल" कहा गया है। देशी उपभोग के लिए उक्त केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम की पहली अनुसूची में उन पर विनिर्दिष्ट उत्पाद-शुल्क के उतने याग से जा उक्त सारणी के स्तम्भ 13 की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट दर से संगणित रकम से अधिक है निकासी के लिए छूट देती है।

सारणी		
क्रम सं	निकासियों का मूल्य	शुल्क की दर
11	12	13
1	पच्चीस लाख रुपये से अनधिक सकल मूल्य तक पहली निकासी जो (i) वित्तीय वर्ष 2001-2002 में, 1 मई को या उसके पश्चात् किए गए हैं (ii) किसी अन्य वित्तीय वर्ष में, 1 अप्रैल को या उसके पश्चात् किए गए हैं	कुछ नहीं
-	विनिर्दिष्ट मालों की सभी निकासियों जो विनिर्दिष्ट मालों के उत्पादन के कारखानों के भीतर किसी विनिर्दिष्ट मालों के आगे विनिर्माण के लिए निवेशों के रूप में उपयोग की जाती हैं	कुछ नहीं

2 इस अधिसूचना में अतिरिक्त छूट केवल निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए लागू होगी अर्थात्—

(i) जब कोई विनिर्माता एक या अधिक कारखानों से विनिर्दिष्ट मालों की निकासी करता है वहां उसका मामला में छूट उक्त सारणी में प्रत्येक क्रम सं के सामने वर्णित निकासियों के सकल मूल्य का लागू होगा न कि प्रत्येक कारखानों के लिए अलग-अलग।

(ii) जहां किसी कारखाने से एक या अधिक विनिर्माताओं द्वारा विनिर्दिष्ट मालों की निकासी की गई है वहां छूट उक्त सारणी की प्रत्येक क्रम सं के सामने वर्णित निकासी के सकल मूल्य का लागू होगा और न कि प्रत्येक विनिर्माता के लिए अलग-अलग।

(iii) एक या अधिक कारखानों से किसी विनिर्माता द्वारा एक या अधिक विनिर्माताओं द्वारा किसी कारखाने से देशी उपभोग के लिए **विनिर्दिष्ट मालों** की निकासियों का सकल पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में पच्चीस लाख रुपये से अधिक नहीं है।

परन्तु ऐसे मामले में, जहाँ पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में देशी उपभोग के लिए कोई निकासी नहीं थी, यह छूट तभी लागू होगी जब विनिर्माता-

(i) अपने पहले निकासी करने के पूर्व, क्षेत्राधिकारी उप केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त या सहायक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त को लिखित प्रमाणपत्र देता है जिसकी एक प्रति केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधीक्षक को देगा, कि वित्तीय वर्ष में उसके देशी उपभोग के लिए विनिर्दिष्ट माल की निकासियों का सकल मूल्य पच्चीस लाख रुपये से अधिक नहीं होगा

(ii) लिखित में एक उपक्रम देता है कि अगर वित्तीय वर्ष में उसके देशी उपभोग के लिए विनिर्दिष्ट माल की निकासियों का सकल मूल्य पच्चीस लाख रुपये से अधिक होगा तो वह इस वित्तीय वर्ष में की गई निकासियों का जिनमें पच्चीस लाख की पहली निकासी भी सम्मिलित है पर लागू शुल्क का सामान्य दर देगा।

3. दशो उपभाग क लिए निकासिया का सकल मूल्य का अधिधारण करने के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित निकासिया का हिसाब म नही लिया जाएगा अर्थात्—

- (क) निकासिया जो किसी अधिसूचना के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय संपूर्ण उत्पाद-शुल्क से छूट प्राप्त ह। उक्त छूट से भिन्न जा निकासिया की मात्रा का मूल्य पर आधारित हैं। या जिस पर किसी अन्य कारण से उत्पाद-शुल्क सदेय नहीं है,
- (ख) कोई निकासिया जिन पर किसी अन्य व्यक्ति का ब्रांड नाम या व्यापार नाम है, नीचे पैरा 4 के निबधना के अनुसार यह छूट देने के लिए पात्र नहीं है,
- (ग) विनिर्दिष्ट माला की निकासिया जिनका प्रयाग विनिर्दिष्ट माला के उत्पादन के कारखाने के भाग विनिर्दिष्ट माला के आगे विनिर्माण के लिए निवेशा के रूप में किया जाता है।

4. इस अधिसूचना में अतिरिक्त छूट एस विनिर्दिष्ट माला को लागू नहीं होगी जिन पर कोई ब्रांड नाम या व्यापार नाम है या किसी अन्य व्यक्ति के है चाहे वह रजिस्ट्रीकृत हो या न हो।

यह अधिसूचना 1 मई 2001 को प्रवृत्त होगी।

प्रार्थना - इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए—

(क) "ब्रांड नाम" या "व्यापार नाम" से वह ब्रांड नाम या व्यापार नाम, चाहे रजिस्ट्रीकृत हो या नहीं, अर्थात् एक नाम या कोई चिह्न जैसे प्रतीक मानाग्राम लबल, हस्तक्षर या आविष्कृत शब्द या लेखन या एस विनिर्दिष्ट माला के संबंध में एस विनिर्दिष्ट माल पर और जेस माल या चिह्न का उपयोग करने वाले व्यक्ति के बीच उस व्यक्ति के बीच उस व्यक्ति के पहचान के किसी उपदर्शन के साथ या उसके बिना या व्यापार के अनुक्रम में संबंध दर्शित करने के प्रयोजन के लिए उपयोग किया जाता है या उसका इस प्रकार उपयोग किया जाता है कि जिससे कि वह उस उपदर्शित करे अभिप्रेत है,

(ख) जहां किसी विनिर्माता द्वारा विनिर्मित माल का कोई ब्रांड नाम या व्यापार नाम है, चाहे वह रजिस्ट्रीकृत हो या नहीं वहां एस विनिर्दिष्ट माल का इस तथ्य के कारण यह नहीं समझा जाएगा कि उनका विनिर्माण एस अन्य विनिर्माता या व्यापारी द्वारा किया जाता है,

(ग) "मूल्य" शब्द का अर्थ उक्त केंद्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम, की धारा 4 के उपबधा के अनुसार अधिधारण मूल्य या उक्त अधिनियम की धारा 3 के अधीन नियत टैरिफ मूल्य,

(घ) "शुल्क का सामान्य दर" से उक्त केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम की धारा 5 के की धारा (1) के अधीन जारी की गई किसी मुसगत अधिसूचना (इस अधिसूचना या ऐसी किसी अधिसूचना जिसमें एस निकासिया का मूल्य या मात्रा पर आधारित है से भिन्न) के साथ पठित केंद्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम में पठित अनुसूची में विनिर्दिष्ट उत्पाद शुल्क का याग अभिप्रेत है ;

(3) "दशो उपभाग के लिए निकासिया" के अंतर्गत भूटान और नेपाल का निर्यात के लिए निकासिया भी लागू होगी।

[फा. सं. बी-9/6/2001-टी. आर. यू.]

जी. डी. लोहानी, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th April, 2001

No. 24/2001-CENTRAL EXCISE

G.S.R. 313(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts clearances, specified in column (2) of the Table below (hereinafter referred to as the said Table) for home consumption, of ball or roller bearings falling under Chapter 84 of the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) (hereinafter referred to as the specified goods), from so much of the duty of excise specified thereon in the First Schedule to the said Central Excise Tariff Act, as is in excess of the amount calculated at the rate specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.—

Table

Sl No	Value of clearances	Rate of duty
(1)	(2)	(3)
1	First clearances upto an aggregate value not exceeding twenty five lakh rupees made on or after the – (i) 1st day of May in the financial year 2001-2002 (ii) 1 st day of April in any other financial year.	Nil
2.	All clearances of the specified goods which are used as inputs for further manufacture of any specified goods within the factory of production of the specified goods.	Nil

2. The exemption contained in this notification shall apply subject to the following conditions, namely :-

(i) Where a manufacturer clears the specified goods from one or more factories, the exemption in his case shall apply to the aggregate value of clearances mentioned against each of the serial numbers in the said Table and not separately for each factory.

(ii) Where the specified goods are cleared by one or more manufacturers from a factory, the exemption shall apply to the aggregate value of clearances mentioned against each of the serial numbers in the said Table and not separately for each manufacturer.

(iii) The aggregate value of clearances for home consumption of the specified goods, by a manufacturer from one or more factories, or from a factory by one or more manufacturers, does not exceed twenty five lakh rupees in the preceding financial year.

Provided that in a case where there are no clearances for home consumption of the specified goods in the preceding financial year, the exemption shall apply only if the manufacturer -

(i) submits a declaration in writing to the jurisdictional Deputy Commissioner or Assistant Commissioner of Central Excise, with a copy to the Superintendent of Central Excise, before effecting his first clearance, that the aggregate value of clearances for home consumption of the specified goods in the financial year shall not exceed twenty five lakh rupees,

(ii) gives an undertaking in writing that if the aggregate value of clearances for home consumption of the specified goods in the financial year exceeds twenty five lakh rupees, he shall pay the normal rate of duty on the clearances in that financial year, including the first clearances of twenty five lakhs.

3. For the purposes of determining the aggregate value of clearances for home consumption, the following clearances shall not be taken into account, namely:-

(a) clearances, which are exempt from the whole of the duty of excise leviable thereon (other than an exemption based on quantity or value of clearances) under any other notification or on which no duty of excise is payable for any other reason ;

(b) clearances bearing the brand name or trade name of another person, which are ineligible for the grant of this exemption in terms of paragraph 4 ;

(c) clearances of the specified goods which are used as inputs for further manufacture of the specified goods within the factory of production of the specified goods.

4. The exemption contained in this notification shall not apply to specified goods bearing a brand name or trade name, whether registered or not, of another person .

5. This notification shall come into force on the 1st day of May, 2001.

Explanation.- For the purposes of this notification,-

(A) "brand name" or "trade name" means a brand name or a trade name, whether registered or not, that is to say, a name or a mark, such as symbol, monogram, label, signature or invented word or writing which is used in relation to such specified goods for the purpose of indicating, or so as to indicate a

connection in the course of trade between such specified goods and some person using such name or mark with or without any indication of the identity of that person;

(B) where the specified goods manufactured by a manufacturer bear a brand name or trade name, whether registered or not, of another manufacturer or trader, such specified goods shall not, merely by reason of that fact, be deemed to have been manufactured by such other manufacturer or trader;

(C) “value” means the value as determined in accordance with the provisions of section 4 of the said Central Excise Act or the tariff value fixed under section 3 of that Act;

(D) “normal rate of duty” means the duty of excise specified in the First Schedule to the said Central Excise Tariff Act read with any relevant notification (other than this notification or a notification in which exemption is based on the value or quantity of clearance) issued under sub-section (1) of section 5A of the said Central Excise Act;

(E) “clearances for home consumption”, shall include clearances for export to Bhutan and Nepal.

[F No. B9/6/2001-TRU]
G D. LOHANI, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2001

सं. 16/2001-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन. टी.)

सा.का.नि. 314(अ).— केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तिया का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 का और सशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1 (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (पांचवाँ सशोधन) नियम, 2001 है ।

(2) ये 1 मई, 2001 से प्रवृत्त होंगे ।

2. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नियम, 1944 के (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) नियम 7 में परतुक के पश्चात् निम्नलिखित अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“ परतु यह और कि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की पहली अनुसूची के अध्याय 62 के अंतर्गत आने वाले माल के मामले में , जो जॉब कार्य पर विनिर्मित हो, इन नियमों के प्रावधान, नियम 7कक के आधार पर लागू होंगे ।”

3. उक्त नियम में नियम 7 क के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

7कक जॉब कार्य आधार पर विनिर्मित पश्चान् उपसाधनो पर शुल्क की वसूली,- प्रत्येक ऐसे व्यक्ति के पास, जो फुटकर कर्मकाणें द्वारा उसकी बाबत उत्पादित या विनिर्मित, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की पहली अनुसूची के अध्याय 62 के अंतर्गत आने वाले माल को प्राप्त करता है, ऐसे माल पर उद्ग्रहणीय शुल्क या शुल्को का सदाय करने का इस प्रकार विकल्प होगा मानो ऐसा माल ऐसे व्यक्ति द्वारा, ऐसे समय पर ऐसी रीति में जो इन नियमों के अधीन विहित की जाए, विनिर्मित किया गया है चाहे ऐसे शुल्क या शुल्को का सदाय बंध-पत्र द्वारा या अन्यथा प्रतिभूत किया गया है ।

परंतु यह कि ऐसा व्यक्ति किसी जॉब कार्यकर्ता को ऐसे माल पर उद्ग्रहणीय शुल्क सदाय करने के लिए, अपनी बाबत, प्राधिकृत करता है तथा ऐसा प्राधिकृत जॉब कार्यकर्ता सारी देनदारियाँ अदा करने एवं इन नियमों के सारे प्रावधानों को मानने का उपक्रम देता है।

स्पष्टीकरण इस नियम के प्रयोजनों के लिए, “जॉब कार्यकर्ता” पद से जॉब कर्मकार को प्रदाय की गई कच्ची सामग्री, पुर्जो, सघटको या अर्धसज्जित माल का प्रसंस्करण या उस पर कार्य करना अभिप्रेत है जिससे कि कोई भागत. या पूर्णतः प्रक्रिया पूरी हो सके जिसके परिणामस्वरूप उक्त प्रथम अनुसूची के अध्याय 62 में आने वाले, किसी वस्तु का विनिर्माण या परिसज्जा या कोई सक्रिया हो जो उपर्युक्त प्रक्रिया के लिए आवश्यक हो। शंका निर्मूलन के लिए यह और स्पष्ट किया जाता है कि जॉब कार्यकर्ता किसी प्रसंस्करण का कोई भाग, जो उक्त माल के विनिर्माण के लिए आवश्यक हो, किसी अन्य व्यक्ति द्वारा करा सकता है, लेकिन उक्त माल को विनिर्माण पूर्ण करने के लिए वापस अपने कारखाने में लाना चाहिए।”

- 4 उक्त नियम 9 के 3 परंतुक में, “परंतु यह और कि ऐसा माल हटाया जा सकेगा” शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जा सकेगा:-

परंतु यह भी कि किसी फुटकर कर्मकार द्वारा उत्पादित या विनिर्मित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की पहली अनुसूची के अध्याय 62 के अंतर्गत आने वाले माल को, उस पर उद्ग्रहणीय शुल्क के सदाय के बिना हटाया जा सकेगा यदि ऐसे माल पर उद्ग्रहणीय उत्पाद शुल्क का सदाय नियम 7कक में निर्दिष्ट व्यक्ति द्वारा इस प्रकार सदाय किया गया है मानो ऐसा माल नियम 174 के अधीन रजिस्ट्रीकृत उसके परिसर से ऐसे माल के हटाए जाने की तारीख को उसके द्वारा उत्पादित या विनिर्मित किया गया है ;

स्पष्टीकरण:- यह स्पष्ट किया जाता है कि जहां ऐसे व्यक्ति ने नियम 7कक के अधीन उद्ग्रहणीय शुल्क अदा करने के लिए जॉब कार्यकर्ता को प्राधिकृत किया हो, ऐसा शुल्क जॉब कार्यकर्ता द्वारा उसके रजिस्ट्रीकृत परिसर से ऐसे माल के निकासी के दिन किया जायेगा।

परंतु यह भी कि ऐसा हटाया जा सकेगा’ ।

- 5 उक्त नियम के नियम 9क के उपनियम (1) में खंड (iii) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

“(iv) नियम 174 के अधीन रजिस्ट्रीकृत परिसरों से ऐसे माल के हटाने की तारीख को किसी फुटकर कर्मकार द्वारा उत्पादित या विनिर्मित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की पहली अनुसूची के अध्याय 62 के अंतर्गत आने वाले माल की दशा में।” ।

- 6 उक्त नियम के नियम 9ग के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्

“ 96 बिना बुनी हुई या या क्रोशिया न की गई सज्जा की वस्तुओं और परिधान उपासथनों की बाबत नियमों का लागू होना - इन नियमों कि उपबन्ध ऐसे व्यक्ति को लागू होंगे जो नियम 7कक के अधीन केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की पहली अनुसूची के अध्याय 62 के अन्तर्गत आने वाले माल पद उद्ग्रहणीय उत्पाद शुल्क या शुल्को का सदाय करने का इस प्रकार विकल्प देता है, मानो ऐसा माल उसके द्वारा विनिर्मित किया गया है और ऐसा व्यक्ति प्राइवेट भण्डार रख या भाड़ागार के लिए नियम 174 के अधीन रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र अभिप्राप्त करेगा जहां ऐसा माल के विनिर्माण के लिए अपक्षित निवेश किए जाने वाला माल प्राप्त होता है और फुटकर कार्रवायों का वितरित किया जाता है तथा ऐसा माल फुटकर कार्रवायों से भाग वितरण या विक्रय के लिए प्राप्त किया जाता है ।” ।

7 उक्त नियम 57 कक में खंड घ के पश्चात् निम्नलिखित अंत स्थापित किया जाएगा अर्थात् -

(7) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम 1985 (1986 का 5) की पहली अनुसूची के अध्याय 62 के अन्तर्गत आने वाले माल की बाबत “ विनिर्माणकर्ता” या “ उत्पादकर्ता” में ऐसा व्यक्ति सम्मिलित होगा जो नियम 7कक के अधीन उक्त माल पर उत्पाद शुल्क या शुल्को का सदाय करने का विकल्प लेता है । ”

8 उक्त नियमों के नियम 57 कक के उपनियम 1 में, निम्नलिखित अंत में जोड़ा जायगा -
 “ परन्तु केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) के प्रथम अनुसूची के अध्याय 62 के अन्तर्गत आने वाले अंतिम उत्पादों के मामले में, निवेश पर अदा किये गये शुल्क का हानि प्रत्यक्ष एस व्यक्ति, जो ऐसे अंतिम उत्पाद अपनी बाबत जॉब कार्य के आधार पर करवाता है, के रजिस्ट्रीकृत परिसर में ऐसे निवेश के आने के तुरन्त बाद, इस शर्त पर कि ऐसे निवेश ऐसे अंतिम उत्पाद के जाब कार्यकर्ता के द्वारा विनिर्माण के लिए प्रयोग किया जाता है, ले सकता है। ”

9 उक्त नियम में धारा ड-भ के पश्चात् निम्नलिखित धारा अंत स्थापित की जाएगी, अर्थात्:-
 ‘ड - भ क - प्रसस्कृत टैक्सटाइल फैब्रिक’

96 यद्धक - विशेष प्रक्रिया का लाभ लेने के लिए आवेदन - (1) जहां कोई टैक्सटाइल फैब्रिको का सतत प्रसरणकर्ता, जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम 1985 (1986 का 5) की पहली अनुसूची के शीर्ष स0 58 01, 58 02, 5806 10, 5806 40, 6001 12, 6001 22, 6001 92, 6001 20 6002 30, 6002 43 या 6002 93 के अन्तर्गत आने वाले सूत के या मानव निर्मित फाइबर के प्रसस्कृत टैक्सटाइल फैब्रिक या शीर्ष स0 52 07, 52 08, 52 09, 54 06, 54 07, 55 11, 55 12, 55 13 या 54 14 के अन्तर्गत आने वाले (जिन्हें इस धारा में “ उक्त माल” कहा गया है) प्रसस्कृत टैक्सटाइल फैब्रिको के विनिर्माण या उत्पादन में, किसी तप्त वायु

स्टेटर की सहायता से (जिसे इस धारा में “स्वतंत्र टैक्सटाइल प्रसस्करणकर्ता” कहा गया है) अनन्य रूप से लगा हुआ है, इस धारा में अतर्विष्ट विशेष उपबन्धों में इस निर्मित आयुक्त को समुचित प्रारूप में एक आवेदन करता है, तो ऐसे आवेदन के आयुक्त द्वारा मंजूर किए जाने पर इसके पश्चात् अधिकृत ऐसी शर्तों और सीमाओं के अधीन रहते हुए, इस धारा में कही ओर अतर्विष्ट उपबन्धों के प्रतिस्थापन में उक्त माल की बाबत ऐसे स्वतंत्र टैक्सटाइल प्रसस्करणकर्ता को आवेदन करेगा।

- (2) कोई स्वतंत्र वस्त्र प्रसस्करणकर्ता, जो इस भाग के विशेष प्रावधानों का, 1 मई, 2001 से 31 मार्च, 2002 तक की अवधि के लिए, अपनी 1 मई, 2001 को विद्यमान प्रोसेसिंग कारखाने के मामले में, उपयोग करना चाहता है, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त को 20 मई, 2001 तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन करेगा। यदि 20 मई, 2001 तक दिया गया ऐसा आवेदन केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त द्वारा स्वीकृत किया जाता है, तब इस भाग के प्रावधानों की सुविधा का उपयोग, 1 मई 2001 से किया जा सकेगा। केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त द्वारा ऐसे आवेदन पर स्वीकृति की अपेक्षा में, स्वतंत्र वस्त्र प्रसस्करणकर्ता इस भाग के प्रावधानों का अनन्तिम रूप से उपयोग कर सकेगा। परन्तु यदि आयुक्त द्वारा आवेदन अस्वीकृत किया जाये, तब वह इस भाग के प्रावधानों का, 1 मई, 2001 से उपयोग करने के लिए अपात्र होगा तथा वह शुल्क की देनदारियों, इस भाग के प्रावधानों से भिन्न प्रावधानों के आधार पर अदा करेगा एवं इस भाग के प्रावधानों अथवा आदेशों के तहत अदा किया गया शुल्क, ऐसे माल पर पेय शुल्क के बाबत समायोजन किया जा सकेगा।

परन्तु यह कि स्वतंत्र वस्त्र प्रसस्करणकर्ता जो किसी नये प्रोसेसिंग कारखाने का 1 मई, 2001 के उपरांत उत्पादन प्रारम्भ करे के मामले में, वाणिज्यिक उत्पादन प्रारम्भ करने से पूर्व आवेदन करेगा जिससे कि 31 मार्च, 2002 तक अवधि उसका अतर्गत लाया जा सके।

स्पष्टीकरण 1 इस धारा के प्रयोजनों के “स्वतंत्र टैक्सटाइल प्रसस्करणकर्ता” से ऐसा विनिर्माणकर्ता अभिप्रेत है जो विद्युत या भाप की सहायता से विरजन, रजन या छपाई अथवा इस प्रक्रियाओं में से कोई एक या अधिक प्रक्रिया करता है और जिसके पास उसके कारखाने में तप्त सैटिंग या रंगाई, किसी तप्त वायु स्टेटर में अनन्य रूप से विद्युत या भाप की सहायता से करने के लिए (जिराम रायत्र और उपस्कर सम्मिलित है) भी सुविधा है और उसका 1 मई, 2001 को या उसके पश्चात् सूत की कटाई या फैब्रिको के व्यूतन या बुनाई में प्राथमिक रूप से या सारवान् रूप से लगे किसी कारखाने में कोई स्वामित्व हित नहीं है।

स्पष्टीकरण 2 शर्तों को दूर करने के लिए यह स्पष्ट किया जाता है कि ऐसे किसी स्वतंत्र प्रसस्करणकर्ता को लागू नहीं होंगे जो अपने कारखाने में प्रतिस्थापित किसी खुले वायु स्टेटर की सहायता से तप्त सैटिंग या रंगाई का कार्य करता है।

स्पष्टीकरण 3. “ वित्तीय वर्ष से ठीक आगामी वर्ष की पहली अप्रैल से ही प्रारंभ होने वाली और 31 मार्च को समाप्त होने वाली अवधि अभिप्रेत है” ।

96 य ढ ख, विशेष प्रक्रिया का लाभ लेने की शर्तें, - (1) उक्त माल के स्वतंत्र टैक्सटाइल प्रसंस्करणकर्ता के कारखाने में प्रतिष्ठापित संयंत्र और मशीनरी में विनिधान की मूल कीमत, इस बात पर ध्यान दिए बिना कि ऐसा संयंत्र और मशीनरी उपयोग में हैं या नहीं अथवा कार्य करने की दशा में हैं या नहीं, किसी विद्यमान स्वतंत्र टैक्सटाइल प्रसंस्करणकर्ता के मामले में 1 मई 2001 अथवा अन्य स्वतंत्र टैक्सटाइल प्रसंस्करणकर्ता, जो 1 मई 2001 के बाद पहली बार उत्पादन प्रारंभ करता है के मामले में नियम 96 य ढ क के तहत दिए गए आवेदन की तारीख पर, तीन करोड़ रूपए से अधिक नहीं होगी और स्वतंत्र टैक्सटाइल प्रसंस्करणकर्ता, अपने कारखाने में 1 मई, 2001 को प्रतिष्ठापित ऐसे संयंत्र और मशीनरी में विनिधान की मूल कीमत की किसी चार्टर्ड एकाउंटेंट/लागत लेखाकार द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित विहित प्ररूप में घोषणा करेगा और ऐसे दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत करेगा जिसकी ऐसी मूल कीमत की बाबत केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अपेक्षा करे । आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, ऐसा आवेदन स्वीकार करने से पहले ऐसे किसी भी प्रमाण की मांग कर सकता है जो वो उचित समझते हैं ।

(2) यदि किसी समय स्वतंत्र टैक्सटाइल प्रसंस्करणकर्ता द्वारा कोई अतिरिक्त संयंत्र और मशीनरी प्रतिष्ठापित की जाती है तो वह, ऐसे प्रतिष्ठापन, के सात दिन के भीतर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त को उसकी सूचना देगा और ऐसे अतिरिक्त संयंत्र और मशीनरी में विनिधान की मूल कीमत उप नियम (1) में विनिर्दिष्ट तीन करोड़ रूपए की पात्रता सीमा का अवधारण करने के लिए हिसाब में ली जाएगी । जहां यह विनिधान की मूल कीमत तीन करोड़ रूपए से ज्यादा है, इस भाग के प्रावधान उस महीने की पहली तारीख से नहीं लागू होंगे जिस महीने में ऐसे विनिधान, तीन करोड़ रूपए की कीमत से ज्यादा हो जाती है ।

(3) स्वतंत्र टैक्सटाइल प्रसंस्करणकर्ता, अपने कारखाने से किसी गैरस्टेटरित टैक्सटाइल फैब्रिक को नहीं हटाएगा ।

(4) उक्त माल के स्वतंत्र टैक्सटाइल प्रसंस्करणकर्ता, जिसने नियम 96 य ढ क के तहत यह सूचना दिया है कि जो नियम 96 य ढ ग के तहत शुल्क अदा करेगा, को कारखाने के बंद होने के आधार पर, नियम 96 य ढ घ के प्रावधानों के अलावा, किसी भी प्रकार का उपशमन नहीं दिया जायगा ।

(5) इस धारा के उपबधों का विकल्प लेने वाला स्वतंत्र टैक्सटाइल प्रसंस्करणकर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम 1944 के अधीन या तद् धीन जारी की गई किसी अधिसूचना के अधीन निवेश या पूंजी माल पर संश्लिष्ट शुल्क के किसी मुजरे का लाभ लेने का पात्र नहीं होगा ।

(6) इस धारा के उपबध उक्त माल को लागू नहीं होंगे जो 1 मई, 2001 को या उसके पश्चात् निर्धारित या उत्पादित किए जाते हैं ।

(7) इस धारा की कोई बात निम्नलिखित को लागू नहीं होगी,-

(क) उक्त माल जो 1 मई, 2001 के पूर्व विनिर्मित या उत्पादित किया जाता है और उस तारीख को या उसके पश्चात् निकासी किया जाता है;

(ख) कोई सयुक्त मिल, अर्थात् कोई विनिर्माणकर्ता या प्रसस्करणकर्ता जो, विद्युत की सहायता से कारखाने के भीतर फाइबर से सूत के कर्तन और फैब्रिको के व्यूतन या बुनाई या क्रोशिया से बुनाई के साथ साथ फैब्रिको के प्रसस्करण में लगा हुआ है, और जिसमें बहुस्थानिक सयुक्त मिल, अर्थात् कोई पब्लिक लिमिटेड कंपनी सम्मिलित है, जो उसी पब्लिक लिमिटेड कंपनी के स्वामित्वाधीन एक या अधिक कारखाने में विद्युत की सहायता से फाइबर से सूत के कर्तन, ओर फैब्रिको के व्यूतन या बुनाई या क्रोशिया से बुनाई के साथ साथ फैब्रिको के प्रसस्करण में लगी हुई है, या

(ग) स्वतंत्र टेक्सटाइल प्रसस्करणकर्ता द्वारा उत्पादित या विनिर्मित उक्त माल से भिन्न फैब्रिक ।

96 य ढ ग - कतिपय रकम आदि के संदाय पर शुल्क के दायित्व का निर्मोचन, - केन्द्रीय सरकार, उक्त माल के प्रसस्करण के लिए प्रतिष्ठापित किसी तप्त वायु स्टेटर प्रतिमास प्रति कक्ष उक्त माल के औसत उत्पादन और किसी अन्य सुसंगत बात को ध्यान में रखते हुए समय समय पर राजपत्र में अधिसूचना द्वारा प्रति मास तप्त वायु स्टेटर के ऐसे प्रति कक्ष शुल्क की दर, ऐसी शर्तों और सीमाओं के अधीन रहते हुए, नियत कर सकेगा जो वह उपर्युक्त समझे और माल की विभिन्न किस्मों के लिए भिन्न भिन्न दरें नियत कर सकेगी और यदि कोई विनिर्माणकर्ता, जिसका आवेदन नियम 96 य ढ क के अधीन मजूर कर लिया जाता है, उस रीति में और इसमें इसके पश्चात् अधिकथित या इस धारा के उपबधों में से किसी के अधीन जारी की गई किसी अधिसूचना की शर्तों और सीमाओं के अधीन रहते हुए, शुल्क की ऐसी दर के अनुसार सगणित किसी अधिसूचना की शर्तों और सीमाओं के अधीन रहते हुए, शुल्क की ऐसी दर के अनुसार सगणित किसी राशि का सदाय करता है, तो ऐसा सदाय उस अवधि के दौरान जिसके लिए उक्त राशि सदत्त की गई है, उक्त माल को प्रस्तुत करने पर उद्ग्रहणीय शुल्क के उसके दायित्व का संपूर्ण निर्मोचन होगा ।

परन्तु यदि शुल्क की दर में कोई परिवर्तन है तो सदेय राशि को परिवर्तन की जायेगी । पुनर्शिक्षित दशे के आधार पर सगणित किया जाएगा और उस तारीख से उक्त माल को प्रस्तुत करने पर उद्ग्रहणीय शुल्क का दायित्व तब तक निर्मोचित नहीं होगा जब तक विभिन्न शुल्कों का सदाय नहीं कर दिया जाता है और जहां इस प्रकार पुनः सगणित शुल्क की राशि सदत्त राशि को सदाय जहां विनिर्माणकर्ता को अतिशेष का प्रतिदाय कर दिया जाएगा ।

(2) उपनियम (1) के अधीन जारी की गई किसी अधिसूचना के साथ पठित उसके अधीन सदेय कोई राशि, स्वतंत्र वस्त्र प्रसस्करणकर्ता द्वारा, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 में नियम 173 छ के उपनियम (1) के अधीन उसके द्वारा रखे गए चालू खाते में विनिर्माणकर्ता की जाएगी ।

- (3) उपनियम (1) के अधीन जारी की गई किसी अधिसूचना के साथ पठित उसके अधीन किसी कलेण्डर मास के लिए संदेय राशि के पचास प्रतिशत का संदाय उस मास की 20 की 5 तारीख तक किया जाएगा ।
- (4) स्वतंत्र वस्त्र प्रसंस्करणकर्ता, माल के, जिसके अंतर्गत उक्त माल या किसी अन्य माल के लिए प्राप्त की गई या उसके विनिर्माण में उपभोग की गई सामग्री भी है, निर्माण या विनिर्माण, निकासी, भंडारण, परिदान या व्ययन से, उसके पास स्टॉक में रखे माल तथा सामग्री से और उसके द्वारा केंद्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 तथा उसके अधीन जारी की गई अधिसूचनाओं के अधीन यथा विहित संदाय किए गए शुल्को से संबंधित अभिलेख रखेगा और विवरणियां फाइल करेगा ।

परन्तु उक्त माल का स्वतंत्र वस्त्र प्रसंस्करणकर्ता इन नियमों के तहत आवश्यक मासिक विवरण में यह सूचित करेगा कि कारखाने में लगे हुए सयंत्र और मशीनरी के अभिधान की मूल कीमत उस माह के लिए जिस माह का विवरण दिया गया है, तीन करोड़ रुपये से ज्यादा नहीं है ।

- (5) यदि कोई स्वतंत्र वस्त्र प्रसंस्करणकर्ता उपनियम (1) के अधीन संदेय किसी राशि या उसके किसी भाग का, उपनियम (3) में विनिर्दिष्ट तारीख तक संदाय करने में असफल रहता है तो वह निम्नलिखित के लिए दायी होगा;
- (i) चौबीस प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ऐसे ब्याज सहित, जिसे बकाया राशि पर बकाया अवधि के लिए संगणित किया जाएगा, बकाया राशि का संदाय; और
 - (ii) उस पर एक मास के लिए बकाया राशि के, जो उत्तरवर्ती मास की 5 तारीख तक संदेय है, के तुल्य राशि या पांच हजार रुपये, इनमें जो भी अधिक हो की शास्ति ।
- (6) यदि कोई स्वतंत्र वस्त्र प्रसंस्करणकर्ता उपनियम (4) में अंतर्विष्ट किसी भी अपेक्षा को पूरा किए बिना उक्त माल को हटाता है तो उक्त माल अधिहृत किए जाने का दायी होगा और स्वतंत्र वस्त्र प्रसंस्करणकर्ता दस हजार रुपये से अनधिक की शास्ति का दायी होगा ।

96 य ढ घ उपशमन का दावा करने के लिए प्रक्रिया:-

- (1) जब कोई स्वतंत्र वस्त्र प्रसंस्करणकर्ता, ऐसी निरंतर अवधि के दौरान, जो 30 दिन से अन्तून हो, उक्त माल का निर्माण या विनिर्माण नहीं करता और उसके द्वारा नियम 96 य ढ

ग के अधीन जारी की गई किसी अधिसूचना के साथ पठित उस नियम के अधीन उसके द्वारा संदेय राशि के उपशमन का दावा करने की वांछा करता है तो, यथास्थिति, केंद्रीय उत्पाद शुल्क के संयुक्त आयुक्त या अपर आयुक्त द्वारा पारित आदेश द्वारा, निम्नलिखित शर्तों को पूरा किए जाने के अधीन रहते हुए, ऐसी रकम का, जो ऐसे आदेश में, विनिर्दिष्ट की जाए, उपशमन अनुज्ञात किया जाएगा, अर्थात्:-

- (क) उपशमन केवल कारखाने के पूर्ण बंदी पर ही लागू होगा न कि किसी एक या अधिक ऊष्मा वायु नोदकों के बंद रहने पर;
- (ख) बंदी की अवधि के दौरान उक्त माल की बाबत कोई भी विनिर्माण संबंधी क्रियाकलाप, विरंजाई, रंगाई या छपाई, को मिलाकर, नहीं किया जाएगा और स्वतंत्र वस्त्र प्रसंस्करणकर्ता द्वारा उक्त माल को हटाया नहीं जाएगा;
- (ग) स्वतंत्र वस्त्र प्रसंस्करणकर्ता कारखाना बंदी की तारीख से कम से कम तीन दिन पूर्व, यथास्थिति, केंद्रीय उत्पाद शुल्क के उपायुक्त या सहायक आयुक्त को बंदी के बारे में लिखित रूप में जानकारी देगा, जिसकी एक प्रति केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधीक्षक को दी जाएगी;
- (घ) एक या अनेक नोदकों को ऐसी रीति में सील किया जाएगा, जिसे केंद्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त विहित करे;
- (ङ.) स्वतंत्र वस्त्र प्रसंस्करणकर्ता उत्पादन प्रारंभ करने की तारीख से कम से कम तीन दिन पूर्व, यथास्थिति, केंद्रीय उत्पाद शुल्क के उपायुक्त या सहायक आयुक्त को उत्पादन प्रारंभ करने बारे में लिखित रूप में जानकारी देगा, जिसकी एक प्रति केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधीक्षक को दी जाएगी, और वह उत्पादन को पुनः प्रारंभ करने से पूर्व सील को ऐसी रीति में खोलेगा, जो केंद्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त द्वारा विहित की जाए;
- (च) स्वतंत्र वस्त्र प्रसंस्करणकर्ता शर्त (ङ.) के अधीन जानकारी भेजते समय यह घोषणा करेगा कि उसका कारखाना इस समय और तारीख से आरंभ होकर इस समय और तारीख तक की अवधि के लिए निरंतर बंद बना रहा, ऐसे समय और तारीखे घोषणा में विनिर्दिष्ट की जानी हैं;
- (छ) स्वतंत्र वस्त्र प्रसंस्करणकर्ता का उपशमन करने के लिए दावा, यथास्थिति, केंद्रीय उत्पाद शुल्क के संयुक्त आयुक्त या अपर आयुक्त द्वारा, इस संबंध में किए गए लिखित आदेश द्वारा अनुज्ञात कर दिया गया है तो स्वतंत्र वस्त्र प्रसंस्करणकर्ता, उत्पादन पुनः प्रारंभ करने के लिए शर्त (छ) अधीन सील किए गए नोदक या नोदकों को पुनः खोलने से पूर्व शुल्क की रकम का और ब्याज का, यदि कोई लागू हो संदाय करेगा;

परन्तु यह कि जहां यथास्थिति, केंद्रीय उत्पाद शुल्क के संयुक्त आयुक्त या अपर आयुक्त का यह समाधान हो गया है कि शर्त (ग) के अधीन जानकारी देने में हुआ विलम्ब अपरिहायर परिस्थितियों के कारण कारित हुआ है, वहां वह कारणों को लिखित में अभिलिखित कर ऐसे विलम्ब को माफ कर सकेंगे ।

10 उक्त नियमों के नियम 174 के उपनियम (1) में,-

(i) “ हर व्यक्ति ” शब्दों के स्थान पर, “ हर व्यक्ति, जिसमें नियम 7कक के तहत शुल्क अदायगी का जिम्मेदार व्यक्ति सम्मिलित है, ” , रखा जायेगा ;

(ii) अतः में निम्नलिखित स्पष्टीकरण रखा जायेगा, अर्थात् :-

“ स्पष्टीकरण - किसी व्यक्ति के नियम 7कक के तहत उत्पाद शुल्क की देनदारी के मामले में, जॉब कार्यकर्ता जो उत्पाद शुल्क अदा करने के लिए प्राधिकृत हो के अलावा, रजिस्ट्रीकरण के लिए परिसर, प्राइवेट भंडार कक्ष या भंडार गृह होगा जहाँ उक्त नियम में विनिर्दिष्ट माल के विनिर्माण के लिए आवश्यक निवेश, प्राप्त किए जाते हैं तथा जॉब कार्यकर्ताओं में बाँटे जाते हैं और जॉब कार्यकर्ता से उक्त माल, आगे वितरण या बिक्री के लिए, प्राप्त किए जाते हैं । ”

11. उक्त नियमों के परिशिष्ट - I में “ प्ररूप ” शीर्ष के अधीन,-

(क) उपशीर्ष “I - केंद्रीय उत्पाद शुल्क प्ररूपों की सूची ” के अधीन,

(I) क्रम सं० 3 के सामने, “ प्ररूप का वर्णन ” स्तंभ के अन्त में “ नियम 7कक के अधीन शुल्क का संदाय करे ” शब्द, अंक और अक्षर जोड़े जाएंगे;

(II) क्रम सं० 85 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

क्रम सं०	प्ररूप का वर्णन	नियम सं.	संक्षिप्त नाम
“ 85क	प्रसंस्कृत वस्त्र तंतुओं से संबंधित विशेष प्रक्रिया का लाभ उठाने की अनुज्ञा के लिए आवेदन	96 य ढ क	ए एस पी आई

(ख) उपशीर्ष “(II) नमूना प्ररूप” के अधीन केंद्रीय उत्पाद शुल्क क्रम सं० 85 और उससे संबंधित प्ररूप के पश्चात् निम्नलिखित केंद्रीय उत्पाद शुल्क क्रम सं० और प्ररूप अंतः स्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:-

“केंद्रीय उत्पाद-शुल्क क्रम सं. 85क

मूल प्रति
दूसरी प्रति
तीसरी प्रति

प्ररूप ए एस पी 1

प्रसंस्कृत वस्त्र तांतव से संबंधित विशेष प्रक्रिया का उपभोग करने की अनुज्ञा के लिए आवेदन

(नियम 96 य ठक)

कारखाने/कारखानों का नाम पता मैं/
हम जो प्रसंस्कृत वस्त्र तांतव के विनिर्माता हैं पर
निवास करता हूँ/करते हैं और केंद्रीय सीमा-शुल्क अनुज्ञप्ति सं. तारीख के
धारक हैं, मेरे/हमारे उपरोक्त कारखाने/कारखानों में विद्युत या वाष्प की महायता से प्रसंस्कृत वस्त्र तांतव के उत्पादन या विनिर्माण के संबंध में केंद्रीय
उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के अध्याय 5 के खंड ड भ. क में अन्तर्निष्ठ विशेष उपबंधों का कलेण्डर मास/
तारीख 200 से आरंभ होने और तारीख 200 को समाप्त होने वाली अवधि
के दौरान, उपभोग करने के लिए मैं/हम आवेदन करता हूँ/करते हैं।

2. मैं/हम निम्न रूप में, मेरे/हमारे उपरोक्त कारखाने में उत्पादित या विनिर्मित प्रसंस्कृत वस्त्र तांतव की विशिष्टियाँ घोषित करता हूँ/
करते हैं:—

क्रम संख्यांक	प्रसंस्कृत वस्त्र तांतव का वर्णन	प्रसंस्कृत वस्त्र तांतव का वर्गीकरण
1	2	3

3. मैं/हम निम्न रूप में, मेरे/हमारे उपरोक्त कारखाने में संस्थापित प्रत्येक संयंत्र और मशीन की विशिष्टियाँ घोषित करता हूँ/करते हैं :—

संयंत्र और मशीनरी के प्रत्येक प्रकार के लिए पृथक्-पृथक् संख्या	संयंत्र और मशीनरी के विनिर्माता का नाम	संयंत्र और मशीनरी का ब्रॉड नाम और पहचान सूचक विशिष्टियाँ	संयंत्र और मशीनरी का क्रम संख्यांक/पहचान संख्या
1	2	3	4

क्रय करने की तारीख और वर्ष	संस्थापना की तारीख और वर्ष	प्रत्येक संयंत्र और मशीनरी में निवेश की मूल लागत 1-3-2001 और 1-5-2001 को विद्यमान कारखाने के मामले में/नये कारखाने के लिए आवेदन की तारीख पर (जो लागू न हों काट दें)	संयंत्र और मशीनरी की कुल लागत 1-3-2001 और 1-5-2001 को विद्यमान कारखाने के मामले में नये कारखाने के लिए आवेदन की तारीख पर (जो लागू न हों काट दें)
5	6	7	8

4. मैं/हम निम्न रूप में, मेरे/हमारे उपरोक्त कारखाने में संस्थापित प्रत्येक ऊष्म-वायुनोदक की विशिष्टियों की घोषणा करता हूँ/करते हैं :

संस्थापित ऊष्म-वायु-नोदकों की संख्या, 1-3-2001 और 1-5-2001 को विद्यमान कारखाने के मामले में/नये कारखाने के लिए आवेदन की तारीख पर (जो लागू न हों काट दें)	प्रत्येक ऊष्म वायुनोदक के विनिर्माता का नाम	ऊष्म-वायुनोदकों के ब्रांड का नाम और अन्य पहचान सूचक विशिष्टियां	ऊष्म-वायुनोदकों का क्रम सं./पहचान सं.	क्रय करने की तारीख और वर्ष
1	2	3	4	5
संस्थापन की तारीख और वर्ष	प्रत्येक ऊष्म वायु-नोदक में चैम्बर की (सेंटीमीटर में विनिर्मित लंबाई और चौड़ाई दोनों) संख्या और आवरण	पिछले वित्त वर्ष में उत्पादित/विनिर्मित प्रसंस्कृत वस्त्र तांतवों का कुल मूल्य और मात्रा	पिछले वित्त वर्ष में निसृत प्रसंस्कृत वस्त्र तांतवों का कुल मूल्य और मात्रा	पिछले वित्त वर्ष में निसृत प्रसंस्कृत वस्त्र तांतवों का औसत मूल्य
6	7	8	9	10

5. मैं/हम घोषणा करता हूँ/करते हैं कि ऊपर दी गई विशिष्टियां हर प्रकार से सत्य और सही हैं । कोई विशिष्टि असत्य/गलत पाए जाने की दशा में, मैं/हम, केंद्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम, 1944 या नियमों के उपबंधों या उनके अधीन जारी की गई अधिमूचनाओं के अनुसार, मेरे/हमारे द्वारा विनिर्मित प्रसंस्कृत वस्त्र तांतवों पर उत्पाद-शुल्क की कोई अतिरिक्त रकम का संदाय करने का वचन बंध करता हूँ/करते हैं ।

6. मैं/हम यह और घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपरोक्त कारखाने में किए गए निवेश की मूल लागत.....रुपये है, जिसकी पुष्टि के लिए निम्नलिखित कागज-पत्र और चार्टर्ड अकाउंटेंट/लागत लेखापाल का प्रमाणपत्र संलग्न है ।

7. मैं/हम उक्त धारा के निबंधनों, शर्तों और सीमाओं या उसके अधीन जारी की गई किसी अधिसूचना का उक्त समग्र अवधि पर्यन्त पालन करने का करार करता हूँ/करते हैं ।

स्थान :

विनिर्माता (ओं) या उसके/उनके

तारीख :

प्राधिकृत अधिकर्ता (ओं)

के हस्ताक्षर

प्रतिहस्ताक्षरित

स्थान :

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क के

तारीख :

रेंज

मंडल

वित्त वर्षके लिए अनुज्ञा मंजूर की गई

.....से आरम्भ होकर

.....को समाप्त होने वाली अवधि ।

.....केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त"

[फा0 सं0 बी-4/6/2001 टी०आर०यू०]

जी. डी. लोहानी, अवर सचिव

पाद टिप्पण : मूल नियम अधिसूचना सं. IV डी-सी ई तारीख 28 फरवरी, 1944 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और अंतिम बार सा. का नि.183 (अ) तारीख 14 मार्च, 2001 द्वारा भारत के राजपत्र में प्रकाशित अधिमूचना सं. 6/2001-उत्पाद-शुल्क, तारीख 14 मार्च, 2001 द्वारा

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th April, 2001

No. 16/2001-CENTRAL EXCISE (N.T.)

G.S.R. 314(E).— In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 1944, namely:-

1. (1) These rules may be called the Central Excise (Fifth Amendment) Rules, 2001.
(2) They shall come into force on the 1st day of May, 2001.
2. In the Central Excise Rules, 1944 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 7, after the proviso, the following shall be inserted, namely:-

“Provided further that in respect of goods falling under Chapter 62 of the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), manufactured on job-work, the provisions of these rules shall apply subject to the provisions of rule 7AA.”.

3. In the said rules, after rule 7A, the following rule shall be inserted, namely:-

‘ 7AA. Recovery of duty on articles of apparel manufactured on job work.-Every person who gets the goods, falling under Chapter 62 of the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), produced or manufactured on his account on job work, shall pay the duty leviable on such goods, at such time and in such manner as may be specified under these rules, whether the payment of such duty be secured by bond or otherwise, as if such goods have been manufactured by such person:

Provided that such person may authorise the job worker to pay the duty leviable on such goods on his behalf and the job worker so authorized undertakes to discharge all liabilities and comply with all the provisions of these Rules:

Explanation.- For the purposes of this rule, the expression “job worker” shall be deemed to mean the person who undertakes the process or processes that brings into existence the finished goods, complete in all respects, falling under Chapter 62 of the said First Schedule, in his factory. For the removal of doubt, it is further clarified that the job-worker may also get part of the processing required for the manufacture of the said goods done by another person but should bring back the same for the completion of the manufacturing process in his factory.’

4. In rule 9 of the said rules, in the third proviso, for the words “Provided further that such goods may be removed”, the following shall be substituted, namely:-

“Provided also that the goods falling under Chapter 62 of the First Schedule to Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) produced or manufactured by a job worker may be removed without payment of duty leviable thereon and the duty of excise leviable on such goods shall be paid by the person referred to in rule 7AA, as if such goods have been produced or manufactured by him, on the date of removal of such goods from his premises registered under rule 174:

Explanation.- It is hereby clarified that where such person has authorised the job worker to pay the duty leviable on such goods under rule 7AA, such duty shall be paid by the job worker on the date of removal of such goods from his registered premises:

Provided also that such goods may be removed”.

5. In rule 9A of the said rules, in sub-rule (1), after clause (iii), the following clause shall be inserted, namely:-

“(iv) in the case of goods falling under Chapter 62 of the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), produced or manufactured on job work, on the date of removal of such goods by the person referred to in rule 7AA from his premises registered under rule 174.”.

6. After rule 9C of the said rules, the following rule shall be inserted, namely:-

“ 9D. Application of rules in relation to articles of apparel and clothing accessories, not knitted or crocheted.- The provisions of these rules shall apply to a person who is liable to pay the duty or duties of excise leviable on goods falling under Chapter 62 of the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) under rule 7AA as if such goods have been manufactured by him.”.

7. In rule 57AA of the said rules, after clause (d), the following shall be inserted, namely:-

‘(e) “manufacturer” or “producer” in respect of goods falling under Chapter 62 of the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) shall include a person who is liable to pay the duty of excise leviable on such goods under rule 7AA.’.

8. In rule 57AC of the said rules, in sub-rule (1), the following shall be added at the end, namely:-

“Provided that in respect of final products falling under Chapter 62 of the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), CENVAT credit of the duty paid on inputs

may be taken immediately on receipt of such inputs in the registered premises of the person who gets such final products manufactured on his account on job work subject to the condition that such inputs are used in the manufacture of such final products by the job worker."

9. In the said rules, after section E-X., the following section shall be inserted, namely -

'E-XA.- Processed Textile Fabrics

96 ZNA. Application to avail of special procedure.—(1) Where an independent processor of textile fabrics, who is engaged exclusively in the manufacture or production of processed textile fabrics falling under heading Nos. 52.07, 52.08, 52.09, 54.06, 54.07, 55.11, 55.12, 55.13 or 55.14, or processed textile fabrics of cotton or man-made fibres, falling under heading Nos. or sub-heading Nos. 58.01, 58.02, 5806.10, 5806.40, 6001.12, 6001.22, 6001.92, 6002.20, 6002.30, 6002.43, or 6002.93 (hereinafter in this section referred to as the "said goods") of the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), with the aid of a hot-air stenter (hereinafter in this section referred to as "independent textile processor"), makes in the proper form, an application to the Commissioner, in this behalf, the special provisions contained in this section shall, on such application being granted by the Commissioner, apply to such independent textile processor in respect of the said goods in substitution of the provisions contained elsewhere than in this section, subject to such conditions and limitations as hereinafter laid down

(2) The independent textile processor, who wants to avail the special provisions contained in this section for the period from 1st May, 2001 to 31st March, 2002, in respect of his processing factory existing as on the 1st May, 2001, shall make the application to the Commissioner of Central Excise in the prescribed format, by the 20th May, 2001. If such application made by the 20th May, 2001, is granted by the Commissioner of Central Excise, the facility to avail the provisions under this section shall be deemed to be available from 1st May, 2001. Pending grant of such application by the Commissioner of Central Excise, the independent textile processor may avail the provisions of this section on a provisional basis. However, if the application is rejected by the Commissioner of Central Excise, then he shall not be eligible to avail the provisions of this section from the 1st May, 2001 and he shall discharge the duty liability as per the provisions contained elsewhere than in this section and the duty, if any, paid under the provisions of this section or the notifications issued thereunder, shall be adjusted against the duty payable on such goods.

Provided that an independent textile processor commencing production for the first time in a new processing factory coming into existence after the 1st May, 2001, shall make the application prior to the commencement of commercial production so as to cover the period upto 31st March, 2002.

Explanation I.—For the purposes of this section, "independent textile processor" means a manufacturer who undertakes bleaching, dyeing or printing or any one or more of these processes with the aid of power or steam and who also has the facility in his factory (including plant and equipment) for carrying out heat setting or drying, with the aid of power or steam exclusively in a hot air stenter and who has no proprietary interest in any factory primarily and substantially engaged in the spinning of yarn or weaving or knitting of fabrics, on or after the 1st day of May, 2001.

Explanation II.-For the removal of doubt, it is hereby clarified that the provisions of this section shall not apply to an independent processor who carries out heat setting or drying with the aid of an open-air stenter installed in his factory.

96 ZNB. Conditions for availing of special procedure.- (1) The original value of the investment in the plant and machinery installed in the factory of the independent textile processor of the said goods, as on the 1st March, 2001 or on the 1st of May, 2001, whichever is higher, for an existing factory of the independent textile processor or on the date of making the application under rule 96ZNA in the case an independent textile processor commencing production for the first time in a new factory coming into existence after the 1st of May, 2001, shall not exceed three crore rupees, irrespective of whether such plant and machinery is in use or not, or is in working condition or not, and the independent textile processor shall declare the original value of investment in such plant and machinery installed in his factory, on the dates mentioned above, in the prescribed format duly certified by a Chartered Accountant or Cost Accountant. The Commissioner of Central Excise may require any such documentary evidence as he considers appropriate in respect of such original value before granting the application.

(2) If any additional plant and machinery is installed by the independent textile processor at any point of time, he shall intimate the same to the Commissioner of Central Excise within 7 days of such installation and the original value of investment in plant and machinery together with the original value of investment in such additional plant and machinery shall not exceed three crore rupees. Where such original value of investment exceeds the limit of three crore rupees, the provisions of this section shall not apply from the first day of the month in which such investment exceeded the said limit of three crore rupees.

(3) The independent textile processor shall not remove any unstentored textile fabrics from his factory.

(4) An independent textile processor of the said goods who has made the application under rule 96ZNA to pay the sum of duty in accordance with rule 96ZNC shall not be allowed any abatement on account of closure of factory, except as provided under rule 96ZND.

(5) The independent textile processor opting for the provisions of this section shall not be eligible to avail of any credit of duty paid on inputs or capital goods under these Rules or any notification issued thereunder.

(6) The provisions of this section shall apply to the said goods which are manufactured or produced on or after the 1st day of May, 2001.

(7) Nothing contained in this section shall apply to-

- (a) the said goods which are manufactured or produced prior to the 1st day of May, 2001 and cleared on or after that date;
- (b) a composite mill, i.e., a manufacturer or processor, who is engaged in the processing of fabrics with the aid of power along with the spinning of yarn from fibres and weaving or knitting or crocheting of fabrics within the factory and includes a multi-locational composite mill, i.e., a public limited company which is engaged in the processing of fabrics with the aid of power along with the spinning of yarn from fibres and weaving or knitting or crocheting of fabrics in one or more factories owned by the same public limited company; or

- (c) fabrics other than the said goods produced or manufactured by the independent textile processor.

96ZNC. Discharge of liability for duty on payment of certain sum, etc.- (1) Having regard to the average production of the said goods per month per chamber of a hot-air stenter installed for the processing of the said goods and any other relevant factor, the Central Government may, by notification in the Official Gazette, fix, from time to time, the rate of duty per such chamber of a hot-air stenter per month, subject to such conditions and limitations as it may think fit to impose, and may fix different rates for different varieties of the said goods; and if a manufacturer whose application has been granted under rule 96ZNA pays a sum calculated according to such rate of duty in the manner and subject to the conditions and limitations hereinafter laid down or in any notification issued under any of the provisions of this section, such payment shall be a full discharge of his liability for duty leviable on his production of the said goods during the period for which the said sum has been paid:

Provided that if there is any alteration in the rates of duty, the sum payable shall be recalculated on the basis of the revised rates, from the date of alteration and liability for duty leviable on the production of the said goods from that date shall not be discharged unless the differential duty is paid, and where the amount of duty so recalculated, is less than the sum paid, the balance shall be refunded to the manufacturer:

(2) The sum payable under sub-rule (1) read with any notification issued thereunder shall be debited by the independent textile processor in the account current maintained by him under sub-rule (1) of rule 173 G of the Central Excise Rules, 1944.

(3) Fifty per cent. of the sum payable for a calendar month under sub-rule (1) read with any notification issued thereunder shall be paid by the 20th of that month and the remaining sum shall be paid by the 5th of the immediately succeeding month.

(4) The independent textile processor shall maintain records, and file returns, pertaining to production or manufacture, clearance, storage, delivery or disposal of goods, including the materials received for or consumed in the manufacture of the said goods or other goods, the goods and materials in stock with him and the duty paid by him, as prescribed under these Rules or any notification issued thereunder:

Provided that the independent textile processor of the said goods shall further declare in the monthly return required to be filed under these Rules that the original value of investment in the plant and machinery installed in his factory for the month to which the said return pertains has not exceeded three crore rupees.

(5) If an independent textile processor fails to pay the sum under sub-rule (1) or any part thereof by the date specified in sub-rule (3), he shall be liable to,-

- (i) pay the outstanding sum along with interest at the rate of twenty-four per cent. per annum calculated for the outstanding period on the outstanding sum; and
- (ii) a penalty equal to the sum outstanding from him for a month payable by the 5th of the succeeding month or rupees five thousand, whichever is greater.

(6) If an independent textile processor removes the said goods without complying with any of the requirements contained in sub-rule (4), then, the said goods shall be liable to confiscation and the independent textile processor shall be liable to a penalty not exceeding ten thousand rupees.

96 ZND. Procedure for claiming abatement.- (1) Where an independent textile processor does not produce or manufacture the said goods during any continuous period of not less than thirty days may claim abatement of the sum payable by him under rule 96 ZNC read with any notification issued thereunder, and such abatement shall be allowed by an order passed by the Joint Commissioner of Central Excise or the Additional Commissioner of Central Excise, as the case may be, of such amount as may be specified in such order, subject to fulfilment of the following conditions, namely:-

- (a) the abatement shall be applicable only on complete closure of the factory and not on closure of any one or more hot-air stenters;
- (b) during the period of closure no manufacturing activity, whatsoever, including bleaching, dyeing or printing, in respect of the said goods shall be undertaken and no removal of the said goods shall be effected by the independent textile processor;
- (c) the independent textile processor shall inform, in writing, about the closure of the factory to the Deputy Commissioner of Central Excise or the Assistant Commissioner of Central Excise, as the case may be, with a copy to the Superintendent of Central Excise, at least three days prior to the date of closure;
- (d) the stenter or stenters shall be sealed in such manner as may be prescribed by the Commissioner of Central Excise;
- (e) the independent textile processor, when he starts production again, shall inform in writing about the date of starting of production to the Deputy Commissioner of Central Excise or the Assistant Commissioner of Central Excise, as the case may be, with a copy to the Superintendent of Central Excise, at least three days prior to the date of starting production, and get the seal opened in such manner as may be specified by the Commissioner of Central Excise before recommencing production;
- (f) the independent textile processor shall, while sending information under condition (e), declare that his factory remained closed for a continuous period starting from the hour and date to the hour and date, such hours and dates to be specified in the declaration;
- (g) if the claim for abatement by the independent textile processor has been disallowed by the Joint Commissioner of Central Excise or the Additional Commissioner of Central Excise, as the case may be, by a written order made in this regard, the independent textile processor shall pay the sum of duty, and interest if any applicable, prior to getting the stenter or stenters sealed under condition (d) reopened for resuming production;

Provided that the Joint Commissioner of Central Excise or the Additional Commissioner of Central Excise, as the case may be, where he is satisfied that the delay

in giving information under condition (c) was caused due to unavoidable circumstances, may, for reasons to be recorded in writing, condone such delay.’.

10. In rule 174 of the said rules, in sub-rule (1),-
- (i) for the words “Every person”, the words “ Every person , including a person liable to pay the duty of excise under rule 7AA” shall be substituted;

(ii) the following Explanation shall be added at the end, namely:-

“*Explanation.*- In the case of a person liable to pay the duty of excise under rule 7AA, other than the job worker who has been authorized to pay the duty of excise, the premises for registration shall be the private store-room or warehouse where the inputs required for the manufacture of the goods specified in the said rule are received and distributed to the job worker and the said goods are received from the job worker for further distribution or sale.”.

11. In the said rules, in Appendix-I, under the heading “FORMS”,-

(a) under the sub-heading “(I) List of Central Excise Forms”,

(I) against Series No. 3, in the column “Description of Form”, the words, figure and letters “/pay duty under rule 7AA.” shall be added at the end;

(II) after Series No. 85 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely:-

Series No.	Description of Form	Rule No.	Short Title
“85A	Application for permission to avail of the special procedure relating to processed textile fabrics	96ZNA	A.S.P.1” ;

(b) under the sub-heading “ (II) Specimen Forms”, after Central Excise Series No. 85 and Form relating thereto, the following Central Excise Series No. and Form shall be inserted, namely:-

“Central Excise Series No. 85A

Original
Duplicate
Triplicate

FORM A.S.P. 1

**Application for permission to avail of the special procedure relating to processed textile fabrics
(Rule 96 ZNA)**

Name of factory/factories.....Address.....

I/We.....manufacture(s) of processed textile fabrics residing at.....and holder (s) of Central Excise Licence No.dated.....hereby apply to avail myself/ourselves, during the period beginning with.....200.....and ending with.....200.....of the special provisions contained in Section EX.A of Chapter V of the Central Excise Rules, 1944, in respect of the production or manufacture of processed textile fabrics with the aid of power or steam at my/our above-mentioned factory/factories.

2. I/We declare below the particulars of processed textile fabrics produced or manufactured in my/our above-mentioned factory:-

S. No.	Description of processed textile fabrics	Classification of processed textile fabrics
(1)	(2)	(3)

3. I/We declare below the particulars of each of the plant and machinery installed in my/our above-mentioned factory:-

Number of plant and machinery separately for each type	Name of manufacturer of plant and machinery	Brand name and other identifying particulars of plant and machinery	Serial Number/ Identification Number of the plant and machinery	Date and year of purchase	Date and year of installation	Original value of investment in each of the plant and machinery, as on 1-3-2001 and 1-5-2001 in case of existing factory / on the date of making this application in case of new factory (Delete whichever is not applicable)	Total value of investment in the plant and machinery, as on 1-3-2001 and 1-5-2001 in case of existing factory / on the date of making this application in case of new factory (Delete whichever is not applicable)
1	2	3	4	5	6	7	8

4. I/We declare below the particulars of each hot-air stenter installed in my/our above-mentioned factory:-

Number of hot-air stenters installed as on 1-3-2001 and 1-5-2001 in case of existing factory / on the date of making this application in case of new factory (Delete whichever is not applicable)	Name of manufacturer of each of the hot-air stenter	Brand name and other identifying particulars of the hot-air stenters	Serial Number/ Identification Number of the hot-air stenters	Date and year of purchase	Date and year of installation	Number and size (both length and width in centimeters) of chambers in each of the hot-air stenters, as on 1-3-2001 and 1-5-2001 in case of existing factory / on the date of making this application in case of new factory (Delete whichever is not applicable)	Total value and quantity of processed textile fabrics produced/manufactured in the preceding F.Y.	Total value and quantity of processed textile fabrics cleared in the preceding F.Y.	Average value of processed textile fabrics cleared in the preceding F.Y.
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

5. I/We hereby declare that the particulars furnished above are true and correct in all respects. In case any of the particulars are found to be untrue/incorrect, I/We undertake to pay any additional amount of excise duty on the processed textile fabrics manufactured by me/us as per the provisions the Central Excise Act, 1944 or the rules or notifications issued thereunder.

6. I/We further declare that the original value of investment made in the above-mentioned factory is Rs..... in support of which the following documents and the Certificate of the Chartered Accountant/Cost Accountant is enclosed herewith.

7. I/We hereby agree to abide by the terms, conditions and limitations of the said section or any notification issued thereunder throughout the said period.

Signature of manufacturer(s) or his/their
authorised agent(s).

Place:

Date:

COUNTERSIGNED

.....of Central Excise
Range.....
Circle.....

Place:

Date:

Permission granted for the financial year

the period
beginning with.....
and ending with.....

Place:

Date:

Commissioner of Central Excise...."

[F. No. B-4/6/2001-TRU]

G.D. LOHANI, Under Secy.

Footnote: The principal rules were published vide notification No. IV D-C.E., dated the 28th February, 1944 and were last amended vide notification No. 10/2001-Central Excise, dated the 14th March 2001, published in the Gazette of India vide number G.S.R. 183 (E), dated the 14th March, 2001.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2001

सं. 17/2001-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन.टी.)

सा.का.नि. 315(अ).— कन्द्रीय सरकार कन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम 1944 के नियम 57 के द्वारा प्रदत्त शक्तियाँ का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लाकहित ग एसा करना आवश्यक है भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं 7/2001-कन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (एन.टी.) तारीख 1 मार्च, 2001 का निम्नलिखित संशोधन करती है अर्थात् -

उक्त अधिसूचना में पैरा 4 के पश्चात् निम्नलिखित पैरा अंतर्स्थापित किया जायगा
अर्थात् -

“4क यह अधिसूचना, किसी विनिर्माता जो कन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 96 यद्धक की विशेष प्रक्रिया का उपयोग करता है तथा नियम 96 यद्धक के अधीन अधिसूचना के तहत विनिर्दिष्ट उत्पाद शुल्क भुगत करता है पर लागू नहीं होगा।

2 यह अधिसूचना 1 मई, 2001 से प्रवृत्त होगी।

[फा. सं. बी-4/6/2001-टी.आर.यू.]

जी.डी. लोहानी, अवर सचिव

टिप्पणी:- मूल अधिसूचना भारत के राजपत्र असाधारण में अधिसूचना सं 7/2001-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन.टी.) तारीख 1 मार्च 2001 [सा.का.नि. 141 (अ) तारीख 1 मार्च, 2001] द्वारा प्रकाशित की गई थी।

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th April, 2001

No. 17/2001-CENTRAL EXCISE (N.T.)

G.S.R. 315(E).—In exercise of the powers conferred by rule 57AK of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment, in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 7/2001-Central Excise (N.T.), dated the 1st March, 2001, namely:-

In the said notification, after paragraph 4, the following paragraph shall be inserted, namely:-

“4A. The provisions of this notification shall not apply to a manufacturer who avails of the special procedure prescribed under rule 96ZNA and pays the specified sum of duty in accordance with a notification issued under rule 96 ZNC of the Central Excise Rules, 1944.”

2. This notification shall come into force on the 1st day of May, 2001.

[F. No. B-4/6/2001-TRU]

G.D. LOHANI, Under Secy

Note: The principal notification was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide notification No. 7/2001-Central Excise (N.T.), dated the 1st March, 2001 [G.S.R. 141 (E), dated the 1st March, 2001].

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2001

सं. 18/2001-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन.टी.)

सा.का.नि. 316(अ).— केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमाशुल्क बोर्ड, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 174 क उपनियम (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टेरिफ अधिनियम, 1985 [1986 का 5] की पहली अनुसूची के अध्याय 62 के अधीन आने वाले माल से संबद्ध जॉब कर्मकार को उक्त नियम 174 की प्रक्रिया से छूट देती है जब जॉब कर्मकार किसी अन्य व्यक्ति के लिए जॉब कार्य इस शर्त पर करता है कि उक्त अन्य व्यक्ति उक्त माल पर नियम 7कक के तहत उत्पाद शुल्क अदा करे एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944 [1944 का 1] एवं उसके तहत बनाये गए नियमों के तहत सारी प्रक्रियाओं एवं देनदारियों को अदा करने की स्वीकृति देता है ।

परन्तु कि उक्त अधिसूचना किसी ऐसे जॉब कर्मचार, जो उक्त अन्य व्यक्ति के द्वारा, उसके द्वारा विनिर्मित उक्त अंतिम उत्पाद पर लगाने वाले उत्पाद शुल्क, अदा करने के लिए नियम 7कक के परन्तुक के आधार पर, प्राधिकृत हो, पर नहीं लागू होंगे ।

स्पष्टीकरण - इस परन्तुक के प्रयोजनों के लिए “ जॉब कर्मचार ” का आशय नियम 7कक में किये गये अर्थ से है ।

2. यह अधिसूचना 1 मई, 2001 से प्रवृत्त होगी ।

[फा. सं. बी-4/5/2001-टी.आर.यू.]

जी.डी. लोहानी, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th April, 2001

No. 18/2001-CENTRAL EXCISE (N.T.)

G.S.R. 316(E).— In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 174 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Board of Excise and Customs, hereby exempts from the operation of the said rule 174 every job worker, who undertakes job work in respect of final products falling under Chapter 62 of the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), on behalf of any other person who shall pay the duty or duties of excise leviable on the said goods, under rule 7AA and comply with all procedural formalities and discharge all liabilities under the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) and the rules made thereunder, in respect of the goods manufactured on behalf of the said other person:

Provided that the above exemption shall not apply to the job worker who may be authorised to pay the duty of excise leviable on such final products manufactured by him on behalf of such other person in accordance with the proviso to rule 7AA of the said rules.

Explanation.- For the purposes of this proviso, the expression "job worker" shall have the meaning assigned to it in rule 7AA.

2. This notification shall come into force on the 1st day of May, 2001.

[F. No. B-4/5/2001-TRU]

G.D. LOHANI, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2001

सं. 19/2001-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन.टी.)

सा.का.नि. 317(अ).— केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमाशुल्क बोर्ड, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 174 के उपनियम (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 27/92-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन टी) तारीख 9 अक्टूबर, 1992 का निम्नलिखित संशोधन करता है।

उक्त अधिसूचना में अंत में निम्नलिखित रखा जायेगा, अर्थात् :-

“ परन्तु कि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम 1985 (1986 का 5) के प्रथम अनुसूची के अध्याय 62 के अंतर्गत आने वाले माल के मामले में, विनिर्माता जॉब कार्यकर्ता, जो उसके बाबत नियम 7कक के तहत ऐसे माल पर शुल्क अदा करने के लिए प्राधिकृत है, को, ऐसे माल के फुटकर बिक्री मूल्य, जिस पर ऐसे माल की बिक्री होती है, सहित सूचना प्रस्तुत करने के लिए प्राधिकृत करेगा, ताकि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क 1944 (1944 का 1) की धारा 3 की उपधारा (2) या उसके तहत प्रकाशित किसी अधिसूचना के तहत, ऐसे माल के टैरिफ मूल्य का निर्धारण किया जा सके ।

स्पष्टीकरण - इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए “ फुटकर विक्रय कीमत” से वह अधिकतम कीमत अभिप्रेत है जिस पर पैकज रूप में उत्पाद शुल्क माल अंतिम उपभोक्ता को बेचा जा सकेगा और उसके अंतर्गत सभी स्थानीय अथवा अन्य कर, भाड़ा, परिवहन प्रभार, व्यौहारियों को संदेय कमीशन और यथास्थिति, विज्ञापन, परिदान, पैकिंग, अग्रघण मद् सभी प्रभार और इसी प्रकार के अन्य प्रभार भी हैं तथा कीमत ऐसे विक्रय के लिए एकमात्र प्रतिफल है । ” ।

2 यह अधिसूचना 1 मई, 2001 से प्रवृत्त होगी ।

[फा. सं. बी-4/5/2001-टी.आर.यू.]

जी.डी. लोहानी, अवर सचिव

टिप्पणी: मूल अधिसूचना भारत के राजपत्र असाधारण में, अधिसूचना सं० 27/92-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, (एन.टी.) तारीख 9 अक्टूबर, 1992 [सा.का.नि. 805 (अ) तारीख 9 अक्टूबर, 1992] को प्रकाशित किया गया था ।

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th April, 2001

No. 19/2001-CENTRAL EXCISE (N.T.)

G.S.R. 317(E).— In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 174 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Board of Excise and Customs, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment, in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 27/92-Central Excise (N.T.), dated the 9th October, 1992.

In the said notification, the following shall be added at the end, namely:-

“Provided that in respect of goods falling under Chapter 62 of the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), the manufacturer shall authorize the job worker, who has been authorized to pay the duty of excise leviable on such goods on his behalf under rule 7AA, to furnish information including the retail sale price at which such goods are sold in order to enable determination of tariff value of such goods under sub-section (2) of section 3 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) or any notification issued thereunder.

Explanation.- For the purposes of this notification, “retail sale price” means the maximum price at which the excisable goods may be sold in packaged form to the ultimate consumer and includes all taxes, local or otherwise, freight, transport charges, commission payable to dealers, and all charges towards advertisement, delivery, packing, forwarding and the like, as the case may be, and the price is the sole consideration for such sale.”.

2. This notification shall come into force on the 1st day of May, 2001.

[F No. B-4/5/2001-TRU]

G D LOHANI, Under Secy

Note : The principal notification was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide notification No. 27/92-Central Excise (N.T.), dated the 9th October, 1992 [G.S.R. (E), dated the 9th October, 1992].

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2001

सं. 20/2001-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन.टी.)

सा.का.नि. 318(अ).— केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत के राजपत्र, में साका नि 142 अ। तारीख 1 मार्च, 2001 के तहत प्रकाशित अधिसूचना सं 8/2001-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, एन.टी.। तारीख 1 मार्च, 2001 की अधिसूचना के, उन बातों के बाबत के सिवाय अधिकमण में जिन्हे ऐसे अधिकमण से पूर्व किया गया था या जिनको करने से लोप किया गया था, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की पहली अनुसूची के उपशीर्ष सं 0 620100 के अधीन आने वाले बिना बुने या कोशिये, सभी प्रकार के कपड़ों के माल की बाबत फुटकर विक्रय मूल्य ता कि स्टैन्डर्स आफ पेट्स एंड मेजर्स एक्ट, 1976 (1976 का 60) या उसके तहत बनाये गये नियमों के प्रावधानों के तहत अथवा ऐसी अन्य वैद्य कानून के तहत खुदरा पैकेज पर घोषित या जिसे घोषित करना अनिवार्य है। का 60 प्रतिशत की दर से टरिफ मूल्य नियत करती है।

स्पष्टीकरण - इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए “फुटकर विक्रय कीमत” से वह अधिकतम कीमत अभिप्रेत है जिस पर पैकज रूप में उत्पाद शुल्कय माल अंतिम उपभोक्ता को बेचा जा सकेगा और उसके अंतर्गत सभी स्थानीय अथवा अन्य कर, भाड़ा, परिवहन प्रभार, व्याहारियों को संदेय कमीशन और यथास्थिति, विज्ञापन, परिदान, पैकिंग, अग्रेषण मदे सभी प्रभार और इसी प्रकार के अन्य प्रभार भी हैं तथा कीमत ऐसे विक्रय के लिए एकमात्र प्रतिफल है ।

2. यह अधिसूचना 1 मई, 2001 से प्रवृत्त होगी ।

[फा. सं. बी-4/5/2001-टी.आर.यू.]

जी.डी. लोहानी, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th April, 2001

No. 20/2001-CENTRAL EXCISE (N.T.)

G.S.R. 318(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 3 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 8/2001-Central Excise (N.T.), dated the 1st March, 2001 [G.S.R. 142 (E), dated the 1st March, 2001], except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government, hereby fixes tariff value in respect of articles of apparel, not knitted or crocheted, all sorts, falling under sub-heading No. 6201.00 of the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), at the rate of 60% of the retail sale price that is declared or required to be declared on the retail packages under the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) or the rules made thereunder or under any other law for the time being in force.

Explanation.— For the purposes of this notification, “retail sale price” means the maximum price at which the excisable goods in packaged form may be sold to the ultimate consumer and includes all taxes, local or otherwise, freight, transport charges, commission payable to dealers, and all charges towards advertisement, delivery, packing, forwarding and the like, as the case may be, and the price is the sole consideration for such sale.

2. This notification shall come into force on the 1st day of May, 2001.

[F. No. B-4/5/2001-TRU]

G.D. LOHANI, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2001

सं. 21/2001-केंद्रीय उत्पाद शुल्क (एन.टी.)

सा.का.नि. 319(अ).— केंद्रीय सरकार, केंद्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 57कट द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित निवेश (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् “घोषित निवेश” कहा गया है) और केंद्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त पहली अनुसूची कहा गया है) के अंतर्गत आने वाले अंतिम उत्पाद घोषित करती है, अर्थात् :-

निवेश	अंतिम उत्पाद
(i) उक्त पहली अनुसूची के अध्याय 50, 51, 52, 53, 54, 55, 58, 59 या 60 के अंतर्गत आने वाला वस्त्र ।	उक्त पहली अनुसूची के अध्याय 62 के अंतर्गत आने वाले परिधान और उपसाधन जो बुने हुए या क्रोशियाकृत नहीं हैं ।
(ii) उक्त पहली अनुसूची के अंतर्गत आने वाले कच्चा माल, पुर्जे, भाग, ट्रिमिंग तथा इम्बेल्शिमेंट पैकेजिंग सामग्री, एवं खपने वाला सामान ।	

2. केंद्रीय सरकार, यह और घोषित करती है कि—

- (i) केंद्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन उत्पाद-शुल्क ; या
- (ii) सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 3 के अधीन अतिरिक्त शुल्क,

(जिसे इसमें इसके पश्चात् घोषित शुल्क कहा गया है) घोषित निवेशों पर संदत्त किया हुआ समझा जाएगा और वह तत्समय प्रवृत्त किसी अधिसूचना के साथ पठित केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन उद्ग्रहणीय उत्पाद-शुल्क के , इसमें घोषित अंतिम उत्पादों पर, 20 प्रतिशत की दर पर संगणित रकम के समतुल्य होगा और इस प्रकार संदत्त किया हुआ समझा गया घोषित शुल्क का मुजरा उक्त अंतिम उत्पादों की निकासी के समय उक्त निवेशों की शुल्क से संदाय का साक्ष्य देने वाले दस्तावेजों को पेश किए बिना, अंतिम उत्पादों के विनिर्माताओं को अनुज्ञात किया जाएगा ।

3. उक्त निवेशों के संबंध में अनुज्ञात घोषित शुल्क के मुजरे का उक्त अंतिम उत्पादों पर उक्त केंद्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम के अधीन उद्ग्रहणीय उत्पाद-शुल्क के संदाय के एवज़ में उपयोग किया जाएगा :

परंतु बंधपत्र के अधीन निर्यात के लिए निकासी किए गए अंतिम उत्पादों में प्रयुक्त निवेशों के संबंध में घोषित शुल्क का मुजरा घरेलू उपभोग के लिए या शुल्क के संदाय पर निर्यात के लिए निकासी किए गए अंतिम उत्पादों पर उत्पाद-शुल्क के संदाय के एवज़ में उपयोग किए जाने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा और जहां किसी कारण ऐसा समायोजन संभव नहीं है वहां ऐसे खोपाय, शर्तों और परिसीमाओं के अधीन रहते हुए जो केंद्रीय सरकार द्वारा राजपत्र में विनिर्दिष्ट की जाएं, विनिर्माता को प्रतिदाय करके किया जाएगा :

परंतु यह और कि घोषित शुल्क का ऐसा कोई प्रतिदाय अनुज्ञात नहीं किया जाएगा यदि विनिर्माता ने सीमाशुल्क और केंद्रीय उत्पाद-शुल्क (वापसी) नियम, 1971 के अधीन अनुज्ञात वापसी का उपभोग किया है या वह ऐसे शुल्क के संबंध में केंद्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 12 के अधीन शुल्क पर रिबेट का दावा करता है ।

4. इस अधिसूचना के उपबंध ऐसे विनिर्माता को लागू नहीं होंगे जिसने उक्त निवेश के संबंध में केंद्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 57कख के अधीन किसी मुजरे का उपभोग किया है और ऐसे निवेश का उक्त अंतिम उत्पादों के विनिर्माण में उपयोग किया है।

स्पष्टीकरण- यह स्पष्ट किया जाता है कि केंद्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 57कख के अधीन पूंजी माल के संबंध में केंद्रीय मूल्य वर्धित कर मुजरा उक्त नियमों के नियम 57कग के अधीन विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त विनिर्माता को अनुज्ञात किया जाएगा।

5. इस अधिसूचना के उपबंध ऐसे अंतिम उत्पादों को लागू नहीं होंगे जिन पर केंद्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन उद्ग्रहणीय उत्पाद-शुल्क उद्ग्रहण नहीं किया है या संदाय नहीं किया गया है या कम उद्ग्रहण किया गया है या कम संदाय किया गया है या किसी कपट या दुस्संधि, जानबूझ कर किए गए मिथ्या कथन या तथ्यों को छिपाने के कारण या उक्त केंद्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम या तद्धीन बनाए गए नियमों के किसी उपबंध का उल्लंघन करके शुल्क के संदाय से बचने के आशय से उसका भूल से प्रतिदाय कर दिया गया है।

6. यह अधिसूचना 1 मई, 2001 से ही प्रवृत्त होगी।

स्पष्टीकरण 1- इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए “विनिर्माता” पद के अंतर्गत कोई ऐसा व्यक्ति होगा जिसने किसी छुटपुट कर्मकार द्वारा अपनी ओर से उक्त अंतिम उत्पादों को उत्पादित या विनिर्मित किया है और उक्त केंद्रीय उत्पाद-शुल्क नियम के नियम 7कक के अधीन उत्पाद-शुल्क या उत्पाद-शुल्कों के संदाय का विकल्प लिया है।

स्पष्टीकरण 2- यह स्पष्ट किया जाता है कि भले ही घोषित निवेशों का उपयोग अंतिम उत्पादों के विनिर्माता द्वारा प्रत्यक्ष रूप से किया जाता है घोषित शुल्क का मुजरा ऐसे घोषित निवेशों पर संदत्त शुल्क की वास्तविक रकम के होते हुए भी, इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट रकम के समतुल्य समझा जाएगा और घोषित शुल्क का मुजरा ऐसे विनिर्माता को अनुज्ञात किया जाएगा।

स्पष्टीकरण 3- संदेह दूर करने के लिए यह स्पष्ट किया जाता है कि धारा 4 के उपबंध ऐसे विनिर्माता को लागू नहीं होंगे जिसने घोषित निवेशों के संबंध में केंद्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 57कख के अधीन किसी मुजरे का उपभोग किया है जहां उक्त घोषित निवेश उक्त अंतिम उत्पादों से भिन्न अंतिम उत्पादों के विनिर्माण में प्रयुक्त हुआ है।

स्पष्टीकरण 4 :- यह स्पष्ट किया जाता है कि घोषित शुल्क का प्रत्यय, नियम 174 के तहत रजिस्ट्रीकृत परिसर में 30 अप्रैल, 2001 को रखे अंतिम उत्पाद जिनकी 1 मई, 2001 या उसके बाद निकासी की जायेगी, लिया जा सकेगा।

[फा. सं. बी-4/5/2001-टी.आर.यू.]

जी.डी. लोहानी, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th April, 2001

No. 21/2001-CENTRAL EXCISE (N.T.)

G.S.R. 319(E).— In exercise of the powers conferred by rule 57AK of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby declares the following inputs (hereinafter referred to as the “declared inputs”) and final products falling within the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) (hereinafter referred to as the said First Schedule), namely:-

Inputs	Final products
(i) Fabrics falling under Chapter 50, 51, 52, 53, 54, 55, 58, 59 or 60 of the said First Schedule.	Articles of apparel and clothing accessories, not knitted or crocheted, falling under Chapter 62 of the said First Schedule.
(ii) Other raw materials, parts, components, trimmings and embellishments, consumables and packaging materials falling within the said First Schedule.	

2. The Central Government further declares that-
- (i) the duty of excise under the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944); or
 - (ii) the additional duty under section 3 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975),

(hereinafter referred to as the declared duty) shall be deemed to have been paid on the declared inputs and the same shall be equivalent to the amount calculated at the rate of 20 per cent. of the duty of excise leviable under the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) read with any notification for the time being in force, on the final products declared herein and credit of the declared duty so deemed to have been paid shall be allowed to the manufacturer of the final products, without production of documents evidencing payment of duty on the said inputs, at the time of clearance of the said final products.

3. The credit of declared duty allowed in respect of the said inputs shall be utilized towards payment of duty of excise leviable under the said Central Excise Act, on the said final products:

Provided that the credit of declared duty in respect of the inputs used in the final products cleared for export under bond shall be allowed to be utilized towards payment of duty of excise on the final products cleared for home consumption or for export on payment of duty and, where for any reason, such adjustment is not possible, by refund to the manufacturer subject to such safeguards, conditions and limitations as may be specified by the Central Government in the Official Gazette:

Provided further that no credit or refund of such declared duty shall be allowed if the manufacturer avails of drawback allowed under the Customs and Central Excise Duties (Drawback) Rules, 1971 or claims rebate of duty under rule 12 of the Central Excise Rules, 1944, in respect of such duty.

4. The provisions of this notification shall not apply to a manufacturer who avails of any credit under rule 57AB of the Central Excise Rules, 1944, in respect of the said inputs and the said inputs are used in the manufacture of the said final products.

Explanation.- It is clarified that the CENVAT credit in respect of capital goods, under rule 57AB of the Central Excise Rules, 1944, shall be allowed to the said manufacturer subject to the conditions as specified under rules 57AC of the said rules.

5. The provisions of this notification shall not apply to final products on which duty of excise leviable under the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), has not been levied or paid or has been short-levied or short-paid or erroneously refunded by reason of fraud, collusion or any wilful mis-statement or suppression of facts, or contravention of any provision of the said Central Excise Act or of the rules made thereunder with intent to evade payment of duty.

6. This notification shall come into effect on and from the 1st day of May, 2001.

Explanation I.- For the purposes of this notification, the expression "manufacturer" shall include a person who is liable to pay the duty of excise leviable on the said final products under rule 7AA of the said Central Excise Rules.

Explanation II.- It is clarified that even if the declared inputs are used directly by a manufacturer of final products, the credit of the declared duty shall, notwithstanding the actual amount of duty paid on such declared inputs, be deemed to be equivalent to the amount specified in this notification and the credit of the declared duty shall be allowed to such manufacturer.

Explanation III.- For the removal of doubt, it is clarified that the provisions of paragraph 4 shall not apply to a manufacturer who avails of any credit under rule 57AB of the Central Excise Rules, 1944, in respect of the declared inputs where the said declared inputs are used in manufacture of final products other than the said final products.

Explanation IV.- It is hereby clarified that credit of the declared duty shall be allowed in respect of final products lying in stock in the premises registered under rule 174 of the manufacturer as on the 30th April, 2001 and removed on or after the 1st May, 2001.

[F No. B-4/5/2001-TRU]

G D LOHANI, Under Secy.